जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, गुरुवार 25 दिसम्बर, 2025

विचार बिन्दु

दया और सत्यता परस्पर मिलते हैं, धर्म और शांति एक-दूसरे का साथ देतें हैं। –बाइबल

राज के दो साल : पर्यटन उद्योग को आर्थिक विकास के अनुकूल प्रोत्साहित करने की जरूरत

राजस्थान की परंपरा, आस्था, धर्म और संस्कृति की अपनी अलग ही अनूठी पहचान है। यहां ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की भरमार है। बहुत से मंदिर या धार्मिक स्थल ऐसे हैं जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालु जन सैंकड़ों.हजारों मील की दूरी का सफर तय कर आते हैं। पर्यटन आज देश और दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में वहां का पर्यटन उद्योग रीढ़ की हड्डी होता है। उस क्षेत्र में देश.विदेश से आने वाले पर्यटकों से ही वहां के सभी उद्योग संचालित होते हैं। पर्यटन से जीवन में शांति मिलती है। पर्यटन का असर सिर्फ आर्थिक विकास पर ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनैतिक विकास पर भी पड़ता है।

राजस्थान की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर, उसे पर्यटन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाती है। राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में राज्य सरकार ने व्यापक योजना पर काम शुरू कर दिया है। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र मंम असीम संभावनाएं हैं, इन्हीं को तराशने का कार्य राज्य सरकार कर रही है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ''विकास भी, विरासत भी'' के मूल मंत्र के साथ राज्य सरकार ने गत दो वर्षों में प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव को और समृद्ध करते हुए पर्यटन उद्योग को नई पहचान दी है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि राजस्थान में पर्यटन के लिए आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को स्तरीय सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षित और अच्छा वातावरण मिले और वे अपने साथ सुखद अनुभव लेकर जाएँ। पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण आय उत्पादक है। देश की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक मूल्यों को बढ़ाता है और उनका आदान-प्रदान करता है। पर्यटन के माध्यम से ही लोगो को एक-दूसरे को समझने की समझ बढ़ती है। किसी भी राज्य के लिए पर्यटन और पर्यटक दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। पर्यटन का प्रभाव समाज पर पड़ता है। क्योंकि पर्यटक जहां जाता है वहां के समाज की सामान्य स्थिति को स्वीकार कर लेता है। ठीक वैसे ही विदेशी पर्यटक भी जिस क्षेत्र में जाते हैं, उस क्षेत्र की वेश-भूषा, खान-पान, सामाजिक क्रियाओं में घुल-मिल जाते हैं। आज पर्यटन सिर्फ सैर-सपाटे तक ही सीमित नहीं है, उसमें स्वास्थ्य-लाभ, रोमांच, खेलकूद, सांस्कृतिक महत्व और आर्थिक महत्व सब कुछ जुड़ चुका है।

पर्यटन विभाग के मुताबिक राजस्थान अपने विविध पर्यटन उत्पादों, आधुनिक बुनियादी ढांचे और सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण घरेलू यात्रियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। रोड ट्रिप टूरिज्म, कॉन्सर्ट टूरिज्म, वीकेंड गेटवे, धार्मिक पर्यटन और एमआईसीई इवेंट्स के बढ़ते प्रभाव से प्रदेश का पर्यटन उद्योग लगातार नई बुलंदियों को छू रहा है। राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में काफी समृद्धशाली राज्य है। यहाँ के किले, हवेलियाँ, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर मेले, महल, झीलें, पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रही है। राजस्थान का पर्यटन के क्षेत्र में विश्व में प्रमुख स्थान है। पर्यटन राज्य के रूप में प्रदेश ने विश्व मानचित्र में अपनी अनूठी पहचान बनाई है। राज्य में पर्यटन के विकास के लिए किये जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है कि वर्ष 2024 में देशी पर्यटकों की संख्या में 28.50 प्रतिशत तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में 21.92 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार वर्ष 2025 में अगस्त माह तक, वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में देशी एवं विदेशी पर्यटक यात्राओं में 11.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पर्यटकों में राजस्थान के प्रति बढ़ते आकर्षण की बानगी है कि वर्ष 2025 में अगस्त तक राज्य में 15 करोड़ से अधिक देशी पर्यटक तथा लगभग 12 लाख विदेशी पर्यटक राजस्थान आए हैं। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान देश में पांचवें स्थान पर है। जीडीपी की बात करें तो प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय का 12.78 प्रतिशत का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रदेश में भ्रमण के लिए आने वाले मेहमानों को नए अनुभव प्रदान करने तथा हर उम्र के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन के विभिन्न आयामों को विकसित किया जा रहा है। हैरिटेज, धार्मिक, रूरल, एडवेंचर तथा ईकोटूरिज्म के विकास के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। पर्यटन क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन को गति देने के लिए 4 दिसम्बर 2024 से राजस्थान पर्यटन इकाई नीति लागू की गई है। इससे प्रदेश में पर्यटन को उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी आई है। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े निवेशकों एवं उद्मियों को लाभ मिलने से निजी क्षेत्र में नई पर्यटन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नित नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

हमारी विरासत आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिखरी पड़ी है जिन्हें संरक्षित सहेजना चुनौतीपूर्ण है। ग्रामीण अंचलों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों की भरमार है। इस विरासतों की सार संभाल के साथ इन्हें ग्रामीण पर्यटन से जोड़ दिया जाए तो ना केवल क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा। वहीं इन विरासतों को नए मायने मिलने से बड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। जिससे क्षेत्र की कायापलट हो सकती है।

राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और आस्था को एक सूत्र में पिरोते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट और ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट को 100- 100 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के अंतर्गत महाराणा प्रताप से जुड़े चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर और उदयपुर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को शामिल किया जाएगा। वहीं जनजातीय संस्कृति, कला और विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए विकसित किये जा रहे ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के तहत सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर और मातृकुंडिया जैसे स्थलों को विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा ब्रज चौरासी परिक्रमा और कृष्ण गमन पथ जैसा परियोजनाओं का कार्य भी किया जा रहा है।

प्रदेश में प्राचीन और ऐतिहासिक धर्म स्थलों की यात्रा के लिए हर साल देश-विदेश से लाखों लोग आते हैं। इन यात्रियों को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा धार्मिक पर्यटन की दिशा में भी अभूतपूर्व कार्य किये जा रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल खाटूश्यामजी, पुष्कर, नाथद्वारा, श्री महावीर जी और गलता तीर्थ को जोड़ते हुए एक समग्र धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा रहा है।

राजस्थान में बॉर्डर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जैसलमेर जिले में तनोट माता मंदिर के विकास हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है तथा भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ रिट्रीटसेरेमनी के आयोजन के लिए तनोट में कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है। हेरिटेज संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत झुंझुनूं, सीकर और चूरू जिलों की 662 हवेलियों को संरक्षण हेतु चिह्नित किया गया है। इसके साथ ही राज्य में अब तक 62 नई हेरिटेज होटल एवं सम्पत्तियों को हेरिटेज प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं।

राजस्थान अपनी ऐतिहासिक धरोहरों, स्थापत्य कला, लोक संस्कृति, रंग-बिरंगे उत्सवों, मेलो – ठेलो और प्राकृतिक विविधताओं के कारण भारत ही नहीं, विश्व में एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। हैरिटेज इमारतों, हैरिटेड होटलों, शाही किलों, महलों और रेतीले टीलों और यहां की मेहमाननवाजी के प्रति आकर्षण के चलते राजस्थान शाही शादियों और फिल्म पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग और फिल्म पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई कार्य किये हैं। फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2024 एवं 2025 में फिल्मांकन, डॉक्यूमेंट्री और विज्ञापन शूटिंग हेतु 86 अनुमतियां जारी की गईं। इसके अतिरिक्त, प्रतिष्ठित आईफा अवार्ड के 25वें समारोह का आयोजन भी 7 से 9 मार्च 2025 को जयपुर में किया गया, जिससे राजस्थान को वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान प्राप्त हुई। पहली बार जयपुर में "Wed in India Expo" का आयोजन किया गया, जिससे राज्य में वेडिंग टूरिज्म को नई पहचान मिली है। प्रदेश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते यहां पारम्परिक पर्यटन से इतर वेलनेसटूरिज्म के प्रति भी लोगों का आकर्षण बढ़ा है। राज्य की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस वर्ष सभी संभाग मुख्यालयों पर पहली बार भव्य स्तर पर घूमर फेस्टिवल का आयोजन किया गया। जयपुर के पौण्ड्रिक पार्क में महिलाओं के लिए विशेष तीज मेले का भी प्रथम बार आयोजन हुआ। राज्य सरकार द्वारा 17 दिसम्बर 2024 को प्रारम्भ की गई पंच गौरव योजना जिलों की विशेषताओं को वैश्विक मंच पर लाने की अभूतपूर्व पहल है। इस योजना के अंतर्गत 550 करोड़ रुपये के बजट से प्रत्येक जिले को उसकी विशिष्ट पहचान के आधार पर विकसित किया जा रहा है, जिससे जिले अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और स्थानीय विशेषताओं के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें।

हमारी विरासत आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिखरी पड़ी है जिन्हें संरक्षित सहेजना चुनौतीपूर्ण है। ग्रामीण अंचलों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों की भरमार है। इस विरासतों की सार संभाल के साथ इन्हें ग्रामीण पर्यटन से जोड़ दिया जाए तो ना केवल क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा। वहीं इन विरासतों को नए मायने मिलने से बड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। जिससे क्षेत्र की कायापलट हो सकती है। इससे एक तरफ जहाँ हमारी अमूल्य विरासत संरक्षित होगी वहां दो हाथों को रोजगार मिलेगा। आज आवश्यकता इस बात कि है कि राजस्थान में पर्यटन को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिये मूलभूत सुविधाएं विकसित कर समाज के हर तबके को इससे जोड़ा जाये। मगर यह तभी संभव है जब पर्यटन स्थलों को सुरक्षा के लिहाज से सुरक्षित बनाने के साथ आवागमन की सुविधा सुगम हो।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

'हार नहीं मानूँगा' अटल जी की वो गूँज जो आज भी देश को प्रेरित कर रही है...

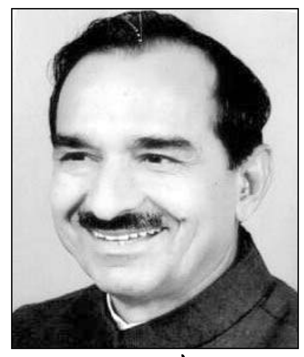

मदन राठौड़

मैं हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पर
लिखता-मिटाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ।

अटल जी के ये शब्द उस अटल इरादे की गूँज हैं जो कभी झुका नहीं। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सृजन का ऐसा संगम था, जो हम सबके लिए आज भी प्रेरणा स्त्रोत है। आज, 25 दिसंबर को उनकी 101वीं जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। यह दिन भारतीय राजनीति और जनमानस के लिए सुशासन का अटल दिवस बन चुका है। अटल जी की सौम्यता, शिष्टाचार और शालीनता ने करोड़ों भारतीयों के दिलों में जगह बनाई। पूरा देश उनकी राजनीति और योगदान के प्रति कृतज्ञ है। वे करिश्माई नेता थे, जिनकी कालजयी कविताएँ और सारगर्भित भाषण आज भी जीवंत हैं। शब्दों के जादूगर और विचारों के क्रांतिकारी थे अटल जी।

अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में एक साधारण परिवार में हुआ। सामान्य परिवार से निकलकर वे सुशासन का मॉडल बने, भविष्य के भारत के कल्पना पुरुष। बचपन से ही राष्ट्रभक्ति की भावना उनके रग-रग में थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव ने उनकी नींव मजबूत की। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में जेल गए, लेकिन हार नहीं मानी। पत्रकारिता से राजनीति तक का सफर तय करते हुए उन्होंने भारतीय जनसंघ और फिर भाजपा को मजबूती दी। जब कांग्रेस का विकल्प बनना आसान नहीं था, तब लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे साथियों के साथ मिलकर उन्होंने पार्टी को चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुँचाया। उन्होंने राष्ट्र को सर्वोपरि माना – दल से बड़ा देश, संगठन से बड़ा संविधान।

1998 का वह दौर याद कीजिए, जब देश राजनीतिक अस्थिरता की चपेट में था। नौ वर्षों में चार लोकसभा चुनाव हो चुके थे। सत्ता की अस्थिरता ने जनता को निराश किया था। ऐसे में अटल जी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला और देश को स्थिर सरकार दी। लेकिन उनकी राजनीति सत्ता की लालसा से परे थी। 1996 में लोकसभा में उन्होंने कहा था, मैं उस सत्ता को चिमटे से भी नहीं छूऊंगा, जो पार्टी तोड़कर और जोड़-तोड़ से नया गठबंधन बनाकर मिले। और उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति से दूर रहकर पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। 1999 में राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण मात्र एक वोट के अंतर से सरकार गिरी, लेकिन उन्होंने लोकतंत्र की मर्यादा को बरकरार रखा। कांग्रेस ने उन्हें गद्दार कहा, फिर भी उन्होंने अपनी शालीनता नहीं छोड़ी, अमर्यादित शब्दों का प्रयोग नहीं किया।

अटल जी की बोलने की कला अद्भुत थी। विरोधी भी उनके भाषणों के मुरीद थे। उनका कथन – सरकारें आएंगी, जाएंगी; पार्टियाँ बनेंगी, बिगड़ेंगी; मगर देश रहना चाहिए – राष्ट्रभक्ति की मिसाल है। जनवरी 2004 में विश्व शांति सम्मेलन में उन्होंने कहा, भारत अपने लंबे इतिहास में कभी आक्रमणकारी या तानाशाही नहीं रहा। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से प्राणी मात्र के कल्याण की आकांक्षा रखता है संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर उन्होंने भारतीय भाषा की गरिमा को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। आपातकाल के दौरान जेल में रहते हुए उन्होंने कैदी कविराय की कुंडलियां समेत कई कविता संग्रह लिखे। उनकी प्रसिद्ध कविता छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता संघर्ष के दौर में लाखों को प्रेरित करती है। वे लोगों को सिखाते थे कि सरकारें उम्मीदों पर खरी उतरें, न कि निराश करें।

अटल सरकार की उपलब्धियाँ भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हैं। 11 मई 1998 को पोखरण में परमाणु परीक्षण ने भारत को गौरान्वित किया। एनडीए सरकार बनने के कुछ दिन बाद ही यह परीक्षण हुआ, और अटल जी ने किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव की परवाह नहीं की। कारगिल युद्ध का दौर, सुरक्षा चुनौतियाँ, संसद पर आतंकवादी हमला इन सबमें अटल जी का नेतृत्व अडिग रहा। उन्होंने राष्ट्रभक्ति को कार्य में उतारा, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का चेहरा बने। आईटी और दूरसंचार को बढ़ावा देकर तकनीक को आम आदमी तक पहुँचाया। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा। सर्व शिक्षा अभियान से सभी को शिक्षा सुलभ हुई। गरीबों के कल्याण में समर्पित उनकी सरकार ने विकास दर में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की। पूरे विश्व में अटल सरकार के सुशासन का डंका बजा।

अटल जी ने 1984 में भविष्यवाणी की थी अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। और यह सब सच साबित हुआ। उनकी सादगी और शालीनता की मिसाल आज भी प्रासंगिक है। शासन में सुधार के उनके प्रयास जनता के जीवन में प्रतिबिंबित हुए। उन्होंने सुशासन की नींव डाली, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आगे बढ़ा रहे हैं। मोदी सरकार अटल जी के सपनों को साकार कर रही है एक सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण, जहां भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं। अटल जी सदैव अटल हैं, उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखा, देश को नई दिशा और प्रगति दी।

आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी के एक वर्ष बाद 101वीं जयंती मना रहे हैं, तो लगता है कि वे हमारे बीच ही हैं अपनी कविताओं में, अपने योगदान में, अपनी मुस्कान में। उन्होंने सिखाया कि जीवन बंजारों का डेरा है आज यहां, कल वहां लेकिन दिशा हमेशा राष्ट्र की ओर हो। अटल जी का जीवन हमें बताता है कि छोटे मन से बड़ा नहीं हुआ जा सकता, टूटे मन से खड़ा नहीं रहा जा सकता। वे भविष्य के भारत के कल्पना पुरुष थे, जिन्होंने तकनीक को आमजन तक पहुँचाया, शिक्षा को समावेशी बनाया और सुरक्षा को मजबूत किया।

अंत में, अटल जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहना चाहूंगा कि वे अमर हैं। उनकी विरासत हमें प्रेरित करती है। 25 दिसंबर का यह दिन हमें संकल्प दिलाता है कि हम उनके सुशासन के पथ पर चलें, राष्ट्र को मजबूत बनाएँ। अटल सदैव अटल यह मंत्र हमारे दिलों में बसा रहे। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को कोटि-कोटि नमन!

–मदन राठौड़,
प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय
जनता पार्टी राजस्थान

वाक् चातुर्य के धनी जन-जन के नायक अटल बिहारी वाजपेयी

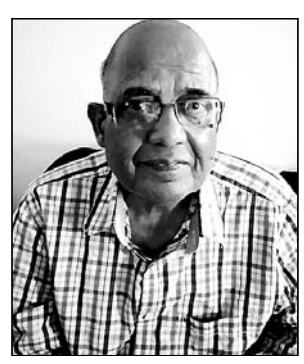

डॉ. जे.के. गर्ग

वाक् चातुर्य के धनी राष्ट्र भक्त मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की संकल्प शक्ति, योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की राजनीतिक कुशलता चातुर्य एवं कूटनीति और आचार्य चाणक्य की निश्चयात्मिका बुद्धि के धनी राजनीतिज्ञ व्यक्तियों में जन नायक अटल बिहारी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता हैं क्योकिं अटल जी ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्र सेवा हेतु अर्पित किया था। उनका तो मन्त्र था देश के लिए जियें और देश के लिए ही मरें, भारत माता का कण-कण शंकर है, वहीं पानी की बूंद-बूंद गंगाजल है।अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, भारत तो जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है। हिमालय इसका मस्तक है, गौरीशंकर इसकी शिखा है। कश्मीर किरीट है, पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं। दिल्ली इसका दिल है। विन्ध्याचल कटि है, नर्मदा करधनी है। पूर्वी और पश्चिमी घाट इसकी दो विशाल जंघाएं हैं। कन्याकुमारी इसके चरण हैं, सागर इसके पग पखारता है। पावस के काले-काले मेघ इसके कुंतल केश हैं। चांद और सूरज इसकी आरती उतारते हैं, मलयानिल चंवर घुलता है। यह वन्दन की भूमि है, अभिनन्दन की भूमि है। यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है। इसका कंकर-कंकर शंकर है, इसका बिंदु-बिंदु गंगाजल है। हम जिएंगे तो इसके लिए, मरेंगे तो इसके लिए। उन्होंने बतलाया कि हिन्दू धर्म तथा संस्कृति की एक बड़ी विशेषता समय के साथ बदलने की उसकी क्षमता रही है। अटलबिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि मनुष्य जीवन अनमोल निधि है, पुण्य का प्रसाद है। हम केवल अपने लिए न जिए, औरों के लिए भी जिए। जीवन जीना एक कला है, एक विज्ञान है। दोनों का समन्वय आवश्यक है उन्होंने अनेको बार कहा है कि भारत के लिए हँसते-हँसते प्राण न्योछावर करने में मैं गर्व का अनुभव करूँगा।

अटल बिहारी जी का जन्म ग्वालियर में 25 दिसम्बर 1924 को हुआ था उनके माता पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी एव कृष्णा वाजपेयी था। रामचंद्र वीर द्वारा रचित अमर कृति "विजय पताका" पढ़ कर अटल जी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। अटल जी की बी०ए० की शिक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज में हुई। अटलजी ने राजनीति शास्त्र से प्रथम श्रेणी में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। एलएलबी की पढ़ ाई को बीच में ही विराम देकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काम में लग गए। भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से अटल जी भी प्रमुख नेताओं में थे। उन्होंने लम्बे समय तक पत्रकारिता करते हुए राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादक के रूप में कार्य किया। अटल बिहारी ने अपना सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेकर प्रारम्भ किया। अटलबिहारी जी खुद कहा था कि वे विवाहित तो है किन्तु ब्रह्मचारी नहीं है यह उनके स्पष्टवादिता का प्रतीक है। सन् 1942 में जब गांधी जी ने 'अँठोजों भारत छोड़ो' का नारा दिया तो ग्वालियर भी अगस्त क्रांति की लपटों में आ गया। छात्र वर्ग आंदोलन की अगुवाई कर रहा था। अटलजी तो सबके आगे ही रहते थे। जब आंदोलन ने उठा रूप धारण कर लिया तो पकड़-धकड़ होने लगी। अटल जी पुलिस की चपेट में आ गए। उस समय वे नाबालिग थे। इसलिए उन्हें आगरा जेल की बच्चा बैरक में रखा गया। चौबीस दिनों की अपनी इस अल्प प्रथम जेल यात्रा के संस्मरण वे हँस-हँसकर सुनाते थे।

अटलजी जब विदेश मंत्री बने तो विभाग के अधिकारीयों ने उनके कक्ष से प्रथम प्रधानमंत्री नेहरुजी की फोटो को हटाने पर उन्हें प्रताड़ित करते हुये उनसे कहा कि परम्परा की पालना बंगलादेश के मुक्ति संगर्ष के वक्त इन्दिता जी नी ने संयक्त राष्ट्र संघ में जान वाले प्रति मंडल का नेत्रत्व सोपा बात उन दिनों की है जब राजीव गाँधी प्रधान मंत्री थ जब उन्हें यह मालुम हुआ की अटल जी असाध्य रोग से पीड़ित हैं तब राजीव ने उन्हें बुलाकर कहा के वो उनको अमेरिका जन वाले प्त्मिन्दल्ट के सदस्य क्र रूप में भेज रहे है जिससे आपका इलाज अमरीका में राजकीय कोष से हो सके इसके लिए उन्होंने वहां के भारतीय राजदूत को आदेश दे दिए है।। 1994 में केंद्र की कांठोस सरकार ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत का पक्ष रखने वाले प्रतिनिधिमंडल की नुमाइंदगी विपक्षी नेता अटल जी को सौंपी थी। किसी सरकार का विपक्षी नेता पर इस हद तक भरोसे को पूरी दुनिया में आश्चर्य से देखा गया था। काश: आज के माहोल में ऐसा हो पाता। अटलजी जब विदेश मंत्री बने तो विभाग के अधिकारीयों ने उनके कक्ष से प्रथम प्रधानमंत्री नेहरुजी की फोटो को हटाने पर उन्हें प्रताड़ित करते हुये उनसे कहा कि परम्परा की पालना होनी चाहिये इसलिये नेहरूजीजी का फोटो वापस लगाएँ। वाजपेयी जी ने पाकिस्तान से सामान्य सम्बन्ध बनाने के लिए 19 फरवरी 1999 को लाहौर तक की बस दुवारा सफर किया वाघा बॉर्डर पर तत्कालीन पाक प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने उनका स्वागत किया किन्तु पाकिस्तान ने 3 मई 1999 को कारगिल में अतिक्रमण कर उसे हडपना चाह तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया, यह संघर्ष 26 जुलाई तक चला हमारी बहादुर सेना ने कारगिल को अपने कब्जे में ले लिया इसलिए प्रति वर्ष 26 जुलाई को हम कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाते हैं। वाजपेयी जी ने पाकिस्तान से पुन:सामान्य सम्बन्ध बनाने के लिए तत्कालीन पाक राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के साथ आगरा में 14 से 16 जुलाई 2001 तक शिखर वार्ता की किन्तु कोई नतीजा नहीं निकला और पाक अपनी हरकतों से बाज नहीं आयाक। 13दिसम्बर 2001 को संसद पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमला हुआ जिसमें नो लोगों की मृत्यु हो गई। यही आतंकी हमला 2004 के चुनावों में प्रमुख मुद्दा बना और ऍन डी ऐ की पराजय का एक कारण बना।

वाजपेयी जी प्रथम गेर कांठोसी पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने गठबंधन सरकार को न केवल स्थायित्व दिया अपितु सफलतापूर्वक संचालित भी किया। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों की संभावित नाराजगी की परवाह नहीं करते हुए राष्ट्र हित में 1998 में दूसरा परमाणु परीक्षण कर राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दिया। स्मरणीय है कि उन्होंने इस परमाणु परीक्षण की अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की गुप्तचर एजेंसियों को भनक तक नहीं लगने दा अटल जी ने डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और नानाजी देशमुख आदि नेताओं से राजनीति का पाठ पढ़ा था। जनता पार्टी की मोरारजी देसाई की सरकार में वाजपेयी जी सन् 1977 से 1979 तक विदेश मंत्री रहे उन्होंने अपने दायित्व का निर्वाह सफलतापूर्वक किया। अटल जी पहले विदेश मंत्री थे जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी में भाषण देकर देश को एवं हिन्दी को गौरवान्वित किया था। अटल जी की वाणी में सदैव विवेक और संयम होता है। अटल जी के वें 101वें जन्मदिवस पर सभी भारतीय उन के श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

डॉ. जे के गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा, जयपुर

विद्यार्थी ऐसे विषयों पर शोध करें, जिनका लाभ देश और समाज को मिले : राज्यपाल

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल एवं महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्यार्थी शोध के लिए ऐसे विषयों का चयन करें, जिनका देश और समाज को लाभ मिले। साथ ही विद्याथिर्यों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो। राज्यपाल बुधवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के संत मीराबाई सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि विद्याथिर्यों के शोध का वृहद स्तर और दीर्घकालीन लाभ मिले। विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र बनें। विद्याथिर्यों को यहां शिक्षा का बेहतर वातावरण मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों को साफ-सुथरा, हरा-भरा बनाए रखने और शिक्षकों को भी अपने पद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने का आव्हान किया। राज्यपाल ने संयमित दिनचर्या के महत्व को बताया और विद्याथिर्यों से योग एवं प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। हमारी बौद्धिक क्षमता का पूरी दुनिया लोहा ने माना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में भारत, विश्व की 12वीं और वर्ष 2014 में में 11वीं बड़ी अर्थवस्था थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं।

राज्यपाल ने विद्याथिर्यों से मां के नाम एक पेड़ लगाने का आव्हान किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण में पौधारोपण का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें बहुत दिया है। हमें समाज के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए। उन्होंने भारत की संस्कृति को समृद्ध बताया और कहा कि राजस्थान सूरों, धर्मात्माओं और संतों की नगरी है। राज्यपाल ने महाराजा गंगा सिंह को दूरदृष्टा बताया और कहा कि उनके भागीरथ प्रयासों से आई गंगनहर ने रेगिस्तान को हरा-भरा किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के सैन्य योगदान को भी रेखांकित किया और कहा कि गंगा रिसाला और ऊंटों की सेना ने प्रथम विश्व युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राशिफल

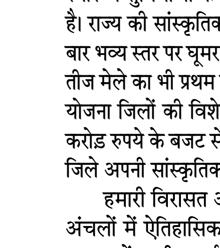

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 25 दिसम्बर, 2025

राशिफल – 25 दिसंबर 2025 पौष मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरुवार , वज्र योग विक्रम सम्वत 2082, बालव करण, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 1.49 तक चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति – सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरु-मिथुन, शुक्र, धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा। आज रवियोग प्रात: 8.18 से आरम्भ होगा। आज क्रिसमस दिवस (ईसा जयंती) बड़ा दिन, पंचक आज महामना मालवीय और अटल बिहारी जयंती है। श्रेष्ठ चौघडिया – शुभ-सूर्योदय से 8.15 तक, लाभ-अमृत 11.09 से 12.27 तक, शुभ 4.14 से सूर्यास्त तक राहुकाल – 1.30 से 3.00 तक सूर्योदय 7.17 सूर्यास्त 5.36

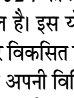

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

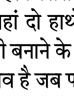

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

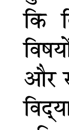

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

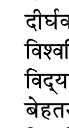

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

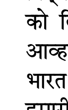

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

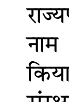

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

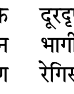

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 140 प्रभात अजमेर, गुरूवार 25 दिसम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पड़ोसी देशों के "स्टेटस" (हैसियत) में भारी अंतर, अमधुर संबंध होने का कारण होता ही है

पर, बाँग्लादेश में इस भावना पर अब पाकिस्तान व रूढ़िवादी तत्वों का काबिज होना जरूर गहरी चिंता पैदा करता है

- इस पूरे प्रकरण में, थोड़ा ढांढस इस बात से बनता है कि दीपू चंद्र दास की बेरहम, पाशविक हत्या से इतना हड़कंप मचा कि बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में आना पड़ा व उसे दास के परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की घोषणा करनी पड़ी और परिवार को सहायता देने की बात भी कही।
- अंतरिम सरकार ने हत्या को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार कर, दंड देने की घोषणा भी की तथा चौदह आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।
- पर, यह भी सच है कि जिस तेजी से सामुदायिक हिंसा फैली, आगजनी हुई और हिंदुओं पर आक्रमण हुआ, इससे साफ उजागर हुआ कि देश में अस्थिरता और कानून व्यवस्था का नितांत अभाव है, जिसका रूढ़िवादी ताकतें पूरा लाभ उठा रही हैं।
- पड़ोसी राज्य में फैलती हिंसा व अस्थिरता की भारत अनदेखी नहीं कर सकता। क्योंकि, भारत में शांति व स्थिरता के लिए बाँग्लादेश में "अस्थिरता" समाप्त होना जरूरी है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। बांग्लादेश में हाल में हुई घटनाओं और एक हिंदू युवक पर किए गए अमानवीय अत्याचार और उसकी मौत ने दोनों पड़ोसी देशों के कूटनीतिक संबंधों को बिगाड़ दिया है। इस मौत के बाद दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के सामने अपने आप ही लोग इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

दूसरी ओर, ढाका में एक बांग्लादेशी युवा नेता की मौत के बाद भारत के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हुए। ढाका में भारतीय उच्चायोग के खिलाफ नारेबाज़ी की गई और भारत के उत्तर-पूर्व से सटे चिटगांव बंदरगाह शहर में भारतीय उच्चायोग पर भीड़ ने हमला कर दिया।

बांग्लादेश में अचानक फैली व्यापक हिंसा उस देश की ज़मीनी हकीकत और उसकी अंदरूनी अस्थिरता को दिखाती है। बांग्लादेश में लगातार बने हुए संकट को भारत नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता है और इस पर आंखें मूंद कर नहीं बैठ सकता। भारत की अपनी सुरक्षा भी बांग्लादेश की स्थिरता पर निर्भर करती है।

दोनों देशों ने औपचारिक रूप से कूटनीतिक रिश्ते बनाए रखे हैं, लेकिन संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। भारतीय लोगों की अचानक और कड़ी प्रतिक्रिया के कारण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पीड़ित परिवार के लिए सुरक्षा और कुछ सहायता की घोषणा करनी पड़ी।

सरकार अब अपराधियों को पकड़ने और उन्हें सज़ा देने का वादा कर रही है। इस मामले में शामिल पाए गए करीब चौदह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, हालांकि माना जा रहा है कि इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

लेकिन घटनाओं के इस सिलसिले ने पहले से ही नाज़ुक और असहज चल रहे पड़ोसी संबंधों को और खराब कर दिया है, जहाँ आम लोगों के बीच भारत-विरोधी भावनाएँ पहले से मौजूद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धार्थ महाजन जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त बने

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने बुधवार शाम आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के पांच अधिकारियों का तबादला किया। इस आदेश के मुताबिक, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे सिद्धार्थ महाजन को जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) आयुक्त बनाया गया है। इस पद पर पूर्व में कार्यरत आयुक्त आनंदी को सहकारिता विभाग राजस्थान की रजिस्ट्रार और शासन सचिव के पद पर लगाया गया है। इसके साथ ही जयपुर

- आनंदी का सहकारिता तथा राकेश शर्मा डीआईपीआर आयुक्त पद पर तबादला।

विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त आयुक्त की सेवाएं दे रहे राकेश शर्मा को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान (डी.आई.पी.आर.) के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

आईएएस मंजू राजपाल को कृषि-उद्यानिकी एवं पंचायतीराज (कृषि) विभाग राजस्थान के प्रमुख शासन सचिव पद पर लगाया है। राजस्थान राज्य बीज निगम लि. के अध्यक्ष का जिम्मा भी मंजू राजपाल ही संभालेंगी। इसी प्रकार बाबूलाल गोयल को राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग में सचिव बनाया गया है। राज्य सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उद्धव व राज के एक होने की प्रक्रिया अचानक नहीं फलीफूत हुई

गत विधानसभा चुनाव में और स्थानीय निकाय चुनावों में दोनों को मुँह की खानी पड़ी थी, अतः दोनों महसूस कर रहे थे कि एक होंगे तभी जीवित रहेंगे

- इस प्रक्रिया में, भाजपा ने "कैटलिस्ट" (उत्प्रेरक) की भूमिका अदा की, एक से पाँचवी कक्षा तक हिंदी को स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करके।
- उद्धव व राज को मौका मिल गया और वो एक मंच पर दिखे, "मराठी मानुष" की बात करने के लिए।
- अगर उद्धव व राज "मिलन" सार्थक साबित हुआ, मुंबई म्युनिसिपल चुनाव में तो शरद पवार व अजित पवार भी इस "थीम" का अनुसरण करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।
- साथ ही, उद्धव ठाकरे ने भी शिंदे शिव सेना के असंतुष्ट तत्वों से बातचीत शुरु कर दी हैं, "घर वापसी" के लिए।

-श्रीनंदन झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। बृहन्नमुम्बई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) सहित, 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने जा रहे हैं और अब तक अलग-अलग चल रहे चचेरे ठाकरे भाइयों, उद्धव और राज ठाकरे, ने हाथ मिला लिया है, पर क्या इससे महाराष्ट्र की राजनीति में कोई नया मोड़ आएगा?

लम्बे समय तक लड़ते रहे इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने की संभावना की खबरें जून से ही शुरु हो गई थीं, जब कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के महायुति सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए उद्धव और राज एक ही मंच पर दिखाई दिए थे। हालांकि भाजपा नेताओं ने यह सफाई देने की कोशिश की थी कि हिंदी सम्बन्धी फैसले को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, लेकिन दोनों ठाकरे भाइयों ने इस मुद्दे को "मराठी मानूस" के नारे के साथ जोड़ दिया और अपने राजनीतिक भविष्य को फिर से मजबूत करने के मकसद से पूरी तरह भुना लिया।

पिछले विधानसभा चुनावों में शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, दोनों को करारी हार मिली थी। हाल ही में, 286 नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भी दोनों दलों को ऐसा ही झटका लगा। ऐसे में सवाल यह है कि क्या यह नई एकजुटता ठाकरे भाइयों की किस्मत फिर से बदल पाएगी?

इसका जवाब तो 16 जनवरी को तब मिलेगा, जब नगर निगम चुनावों के नतीजे आएंगे, लेकिन इतना साफ दिखाई दे रहा है कि उद्धव और राज के साथ आने से उन्हें लड़ने का एक नया और बेहतर मौका जरूर मिला है।

इस मेल-मिलाप का सीधा असर यह हुआ है कि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस अलग-थलग पड़ गई है और अब वह निगम चुनाव अपने दम ही पर लड़ेगी। बीएमसी चुनावों में ठाकरे भाइयों की सफलता के आधार पर, आगे और भी बदलाव हो सकते हैं। मसलन, एनसीपी के शरद पवार और अजित पवार गुटों के एक होने की संभावना पर भी चर्चा चल रही है। वहीं, उद्धव ठाकरे ने शिंदे गुट की शिवसेना के असंतुष्ट नेताओं से भी घर वापसी कर, मूल शिवसेना में शामिल होने की अपील की है। कुल मिलाकर, राज्य की राजनीति में नए सिरे से शक्ति संतुलन बनने की संभावनाएँ खुल गई हैं।

भाजपा ने इस घटनाक्रम को ज़्यादा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं दिल्ली में दो दिन भी रहता हूँ तो इन्फैक्शन हो जाता है'

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के प्रदूषण पर रोष जताया और पूछा, आखिर दिल्ली में इतना प्रदूषण क्यों है

- उन्होंने कहा, मैं परिवहन मंत्री हूँ, 40 प्रतिशत प्रदूषण तो हमारे कारण है, जीवाश्म ईंधन (पैट्रोल डीज़ल आदि) के कारण है, हम हर साल 22 लाख करोड़ रूपए का पैट्रोल डीज़ल आयात करते हैं, यह कैसा राष्ट्रवाद है, क्या हम वैकल्पिक ईंधन और बायो फ्यूल का इस्तेमाल कर आत्मनिर्भर भारत नहीं बना सकते हैं।
- गडकरी ने पत्रकार उदय मुहरकर की किताब "माय आईडिया ऑफ नेशन फर्स्टः रीडिफाईनिंग अनएलॉयड नैशनलिज़्म" के विमोचन के दौरान यह बयान दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। दिल्ली की जहरीली हवा पर सत्तारूढ़ भाजपा के भीतर से भी कड़ी टिप्पणियाँ आई हैं। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में दो दिन रहने से उन्हें इन्फ्रैक्शन हो जाता है।

वरिष्ठ पत्रकार उदय महुरकर की किताब 'माई आइडिया ऑफ नेशन फर्स्टः रीडिफाइनिंग अनएलायड नेशनलिज़्म' के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि आज का सबसे बड़ा राष्ट्रवाद यह होगा कि हम देश के निर्यात को बढ़ाएं और आयात को घटाएं। उन्होंने कहा, "मैं (दिल्ली में) केवल दो दिन रहूं, तो मुझे संक्रमण हो जाता है। दिल्ली प्रदूषण से क्यों जूझ रही है?"

उन्होंने कहा, "मैं परिवहन मंत्री हूं, 40 प्रतिशत प्रदूषण हमारे कारण है... जीवाश्म ईंधन के कारण। हम 22 लाख करोड़ रुपये जीवाश्म ईंधन आयात करने और प्रदूषण बढ़ाने पर खर्च कर रहे हैं। यह किस तरह का राष्ट्रवाद है?" उन्होंने अफसोस जताया कि लोग ईको-फ्रेंडली प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने प्रश्न किया, "क्या हम वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन को काम में लेकर आत्मनिर्भर भारत नहीं बना सकते?"

एक अन्य महत्वपूर्ण टिप्पणी में गडकरी ने कहा कि यह कहना गलत है कि हर मुस्लिम आतंकवादी होता है। उन्होंने कहा, इस चीज का वर्गीकरण या ग्रेड-निर्धारण होना चाहिये कि कोई व्यक्ति कितना कट्टर तथा जहरीला है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हमारे आदर्श हैं; डॉ. कलाम जैसे लोगों की संख्या बढ़ानी होगी। शिक्षा को उनके पास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने किया बांके बिहारी मंदिर का अधिग्रहण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। 22 दिसंबर, 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार ने बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट एक्ट को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया। मथुरा जिले के वृंदावन का बांक बिहारी मंदिर भारत के सबसे पवित्र कृष्ण मंदिरों में से एक है और अब यह मंदिर सरकार के नियंत्रण में आ गया है।

- यूपी सरकार ने यह अधिग्रहण बांके बिहारी टैम्पल ट्रस्ट एक्ट के प्रावधानों के तहत किया है, हालांकि हिंदू एक्टिविस्ट इसे धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन बता रहे हैं।

हिंदू राइट्स ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह सरकार का हस्तक्षेप है, धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन है, एक खतरनाक मिसाल की शुरुआत है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल-प्रियंका-सचिन की तिकड़ी 2029 के लिए?

वेणुगोपाल द्वारा "ऑपरेशन केरल" की जिम्मेवारी के लिए उन्हें भेजने का आग्रह करने से, तिकड़ी की चर्चा जोरों से शुरु हुई एआईसीसी में

- अशोक गहलोत, अजय माकन और दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं ने रिक्त संगठन महासचिव पद पाने की पूरजोर इच्छा जताई, लेकिन भाजपा, द्वारा 45 वर्षीय नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस की मजबूरी हो गई है कि संगठन महासचिव की जिम्मेवारी युवा नेता को दी जाए। अतः सचिन पायलट का नाम पुराने नेताओं को पसंद आ रहा है।
- पुराने नेता, "जय जगत" नेताओं के पुराने लेफ्ट-ऑफ-सैंटर चिंतन को अब पूरी तरह समय संगत नहीं मानते। इन "जय जगत" नेताओं में मीनाक्षी नटराजन, अल्लावेरू, शशिकांत सेन्थिल, सचिन राव, भंवर जितेन्द्र सिंह प्रमुख हैं।
- माना जा रहा है कि कांग्रेस कोई भी नया काम करने से पहले मलमास, जो 14 जनवरी को समाप्त हो रहा है, के खत्म होने का इंतज़ार कर रही है, क्योंकि प्रियंका गांधी को एआईसीसी के चुनाव प्रबंधन विभाग का कर्ता-धर्ता नियुक्त करने का लैटर तो कई सप्ताह से तैयार है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव, संगठन प्रभारी (जीएसओ), केसी वेणुगोपाल ने कथित रूप से राहुल गांधी से अनुरोध किया है कि उन्हें "मिशन केरल" सौंपा जाए और 2019 से वे संगठन महासचिव की जो जिम्मेदारियाँ निभा रहे हैं, उनसे उन्हें मुक्त किया जाए। जबकि यह सवाल खड़ा है कि क्या वेणुगोपाल, मई 2026 में होने वाले केरल चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

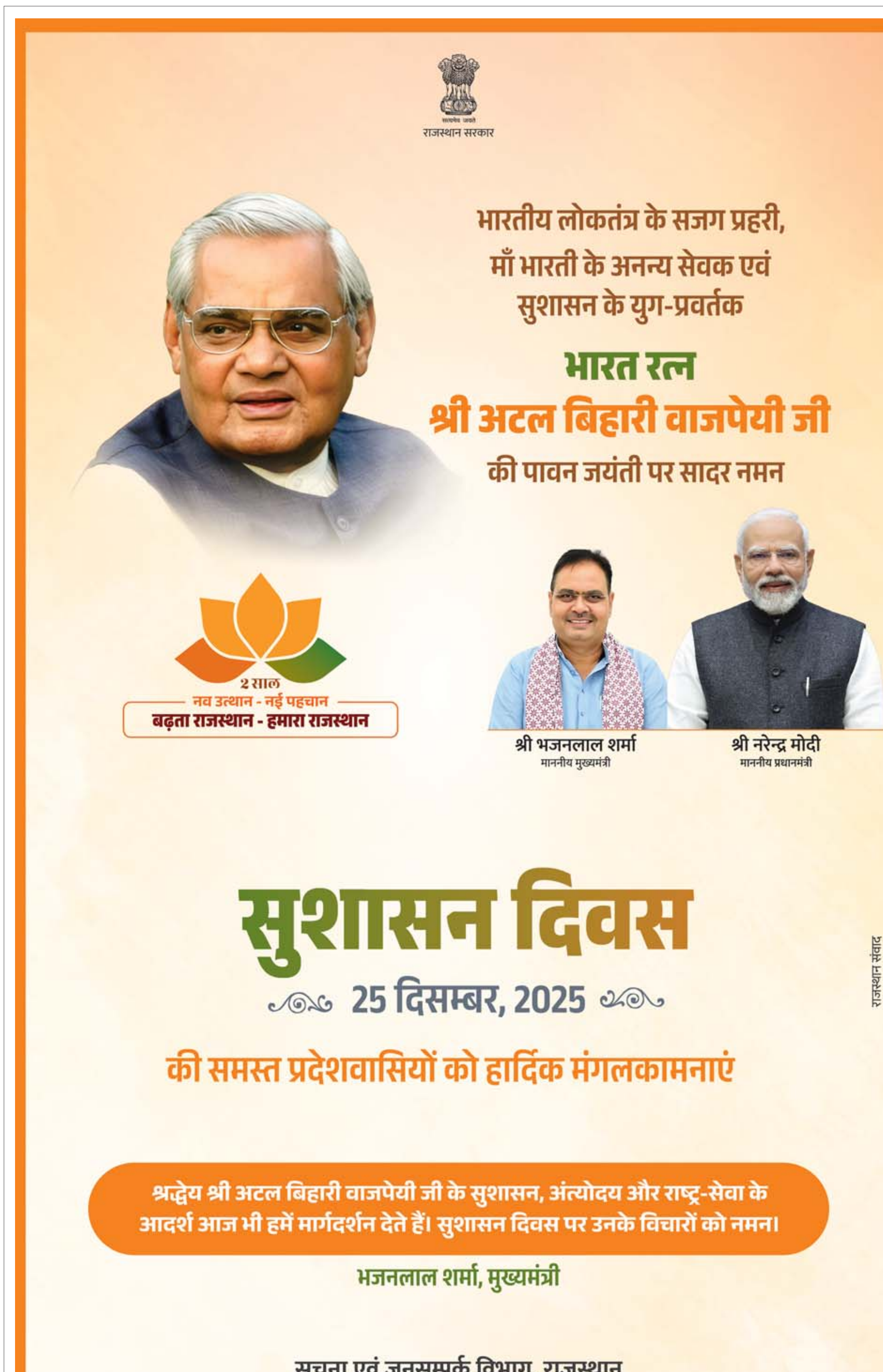

कोटा में एक्सप्रेसवे पर कार पर पलटा कंटेनर, ननद और एनआरआई भाभी की मौत

दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को कार से हटाने के लिए क्रेन की मदद लेनी पड़ी, हादसे में मृतकों को कार से निकालने में भी मशक्कत करनी पड़ी

कोटा जिले के चेचट थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे चेचट इंटरचेंज पर एक सड़क दुर्घटना में एक एनआरआई सहित दो महिलाओं की मौत हो गई है।

कोटा । कोटा जिले के चेचट थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे चेचट इंटरचेंज पर बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में एक एनआरआई सहित दो महिलाओं की मौत हो गई। महिलाएं लग्जरी कार में सवार थी। जिस पर एक भारी भरकम कंटेनर गिर गया। कार में दबने से दोनों महिलाओं की मौत हो गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद कार में फंसी महिलाओं को बाहर निकाला गया। मृतक दोनों महिलाएं आपस में ननद-भाभी हैं। वे अपने परिवार के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करके वापस लौट रही थी।

चेचट थाने के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम मीणा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना सुबह पौने दस बजे मिली थी। इसमें नोएडा निवासी 45 वर्षीय सुधा राणा और और उनकी भाभी देहरादून निवासी 42 वर्षीय शिवानी भंडारी की मौत हो गई। शिवानी एनआरआई हैं और अपने पति कुलदीप व परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता भी प्राप्त कर ली है। दुर्घटना के बाद क्रेन से दोनों महिलाओं को कार से बाहर निकलवाया गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर कंटेनर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया। कंटेनर को जब्त कर लिया गया है। कंटेनर मध्यप्रदेश की ओर से दिल्ली की तरफ जा रहा था। एएसआई पुरुषोत्तम मीणा ने बताया कि इस कार में पांच जने सवार थे। जिनमें मृतका नोएडा निवासी सुधा राणा, उनका बेटा वर्धमान राणा, भाई कुलदीप भंडारी व भाभी शिवानी भंडारी के साथ ड्राइवर भी शामिल है। यह दुर्घटना एक्सप्रेसवे चेचट इंटरचेंज पर हुई। जहां पर लग्जरी कार के पीछे से आ रहा कंटेनर अचानक से पलटा और कार के पीछे के हिस्से पर जा गिरा। जिससे कार में पीछे की सीट पर बैठी दोनों महिलाओं की मौत हो गई। बड़ी मुश्किल से क्रेन की मदद से कंटेनर को हटाया गया और दोनों को बाहर निकाल गया। जबकि कार में सवार अन्य तीन लोगों के हल्की-फुल्की चोट आई है। पुरुषोत्तम मीणा ने बताया कि मृतक शिवानी एक सप्ताह पहले अपने किसी नजदीकी रिश्तेदार की मौत के चलते भारत आई थी। वहीं कुलदीप दो दिन पहले ही भारत आया था। दोनों मंगलवार को अपने नोएडा निवासी रिश्तेदार के साथ उज्जैन दर्शन करने के लिए चले गए थे। बुधवार को सुबह वापस आते समय यह हादसा हो गया। इन्होंने नोएडा से टैक्सी किराए पर ली थी। शिवानी व कुलदीप अपने बच्चों को ऑस्ट्रेलिया छोड़कर यहां आए थे।

■ मृतक शिवानी एक सप्ताह पहले अपने किसी नजदीकी रिश्तेदार की मौत होने पर गमी में भारत आई थी।

फंदे में फंसा मादा पैंथर शावक

बूंदी (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में एक बार फिर शिकारियों की करतूत सामने आई है। जिले की हिंडोली रेंज में डाटुन्दा माताजी से कालदां माताजी के रास्ते में अज्ञात शिकारियों द्वारा लगाए गए फंदे में एक डेढ़ वर्षीय मादा शावक फंस गई।बुधवार सुबह जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। फंदे में पैंथर के फंसे होने की सूचना मिलने पर वन विभाग बूंदी से सहायक वन संरक्षक सुनील धाबाई, हिंडोली रेंजर शिव प्रकाश चौधरी, नाका प्रभारी राजेश शर्मा एवं अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचे तथा पैंथर के रेस्क्यू के लिए मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के रेस्क्यू दल को बुलाया गया। दोपहर बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची तथा डॉ तेजेन्द्र सिंह रियाड़ ने ट्रेंकुलाइज कर पैंथर का रेस्क्यू कर इसके उपचार के लिए कोटा चिड़ियाघर भेजा है

राजस्थान में बाघो के कॉरिडोर में बाधक बना रामगढ का बफर जोन:- राज्य में चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में तीन साल पहले अस्तित्व में आए रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ-बघेरों सहित अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा टाइगर रिजर्व के दो भागों में बंटे प्रशासनिक नियंत्रण के चलते खतरे में है। 1501 वर्ग किलोमीटर में बने इस टाइगर रिजर्व का 634 वर्ग किलोमीटर का महत्वपूर्ण जंगल प्रादेशिक वन खण्ड के नियंत्रण में आता है और शेष 867 वर्ग किलोमीटर टाइगर रिजर्व के कोर उपवन संरक्षक के कार्य क्षेत्र का भाग है।

43 कार्मिक अनुपस्थित मिले, अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी

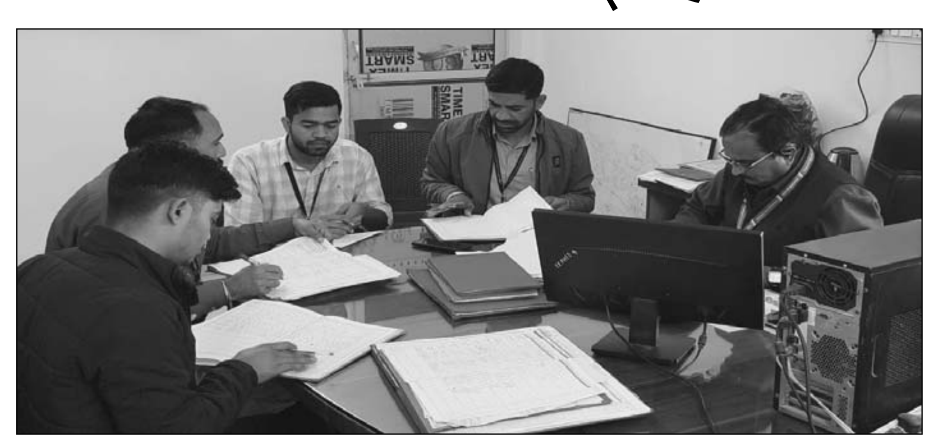

अलवर में विभागों के निरीक्षण के दौरान 4 राजपत्रित व 39 अराजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

अलवर । प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के प्रमुख शासन सचिव के निर्देशानुसार वरिष्ठ शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण के.आर मीना के नेतृत्व में राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने आज जिले के राजगढ उपखण्ड में स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

■ वरिष्ठ शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण के.आर मीना के नेतृत्व में राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने आज जिले के राजगढ उपखण्ड में स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

वरिष्ठ शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) के.आर मीना ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 4 राजपत्रित एवं 39 अराजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिन पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने हेतु रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी जाएगी। उन्होने बताया कि निरीक्षण में पाया गया कि कार्यालयों एवं विभागों में उपस्थिति पंजिकाएं निर्धारित मापदण्डानुसार संधानित नहीं किए जाने, साफ-सफाई की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित नहीं होने, रिकॉर्ड अव्यवस्थित होने तथा प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग द्वारा जारी परिपत्रों की पालना सुनिश्चित नहीं किया जाना पाया गया।

साक्षात्कार का तृतीय चरण 5 से

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के साक्षात्कारों का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।

इसके अनुसार, राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तीसरे चरण के इंटरव्यू 5 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेंगे। इस भर्ती के साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले समस्त अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्रों सहित प्रस्तुत करना होगा।

सहायक आचार्य सहित विभिन्न पदों का साक्षात्कार कार्यक्रम - इसके अलावा, सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती-2023 अन्तर्गत भूगोल विषय के पदों हेतु अंतिम चरण के साक्षात्कार 5 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित किए जाएंगे।

उदयपुर के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर ने बनाई 9 सूक्ष्म कलाकृतियां

उदयपुर। उदयपुर के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर और स्वर्ण शिल्पी इकबाल सक्का ने एक बार फिर सूक्ष्म कला के जरिए अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। क्रिसमस डे के अवसर पर उन्होंने ऐसी 9 अनोखी कलाकृतियां तैयार की हैं जिन्हें नंगी आंखों से देख पाना लगभग नामुमकिन है। इन्हें देखने के लिए लेंस की जरूरत पडती है।

डॉ. सक्का ने क्रिसमस थीम पर घास की झोपडी तैयार की और उसके भीतर चांदी से बनी विश्व की सबसे छोटी नौ कलाकृतियां स्थापित कीं। इनमें घास की छोटी टोकरी में मात्र 3 मिलीमीटर आकार में हजरत ईसा अलैहिस्सलाम (ईसा मसीह) के जन्म का प्रतीक स्वरूप रखा गया है। इसके साथ एक सेंटीमीटर आकार का चांदी का चर्च और 3 मिलीमीटर साइज के क्रॉस, मछली,बेल,कांटों का ताज,मोमबत्ती और स्टार भी बनाए गए हैं। इन सभी प्रतीकों के जरिए उन्होंने क्रिसमस के धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व को सूक्ष्म कला के माध्यम से दर्शाने की कोशिश की है। सक्का के नाम 121 वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। डॉ. सक्का ने बताया कि इन कलाकृतियों को तैयार करने में 36 घंटे से अधिक का समय लगा। बेहद बारीक काम होने के कारण लगातार ध्यान और स्थिरता के साथ काम करना पडा। उन्होंने बताया कि इन सूक्ष्म कलाकृतियों को हिंदुस्तान बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया था। जांच प्रक्रिया के बाद रिकॉर्ड को स्वीकार किया गया और 11 दिसंबर को आधिकारिक प्रमाणपत्र जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि देश-विदेश में उदयपुर और राजस्थान की कला-परंपरा का नाम रोशन करना भी है। इसी सोच के साथ वे इन कलाकृतियों को जनता के बीच प्रदर्शित करना चाहते हैं।

■ घास की टोकरी 36 घंटे में की तैयार

8 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ठोड द्वितीय भर्ती-2024 के अंतर्गत जारी विचारित सूची में सम्मिलित 8 अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने का अंतिम अवसर दिया गया है। यह अभ्यर्थी उक्त भर्ती अंतर्गत पात्रता जांच हेतु जारी विचारित सूची में शामिल हैं, लेकिन इनके द्वारा पूर्व में इस हेतु प्रदत्त अवसरों में ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र सब्मिट नहीं किया गया है। इन अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने का लिंक 25 से 28 दिसंबर तक खोला जाएगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अभ्यर्थियों को अपनी एसएसओ आइडी का उपयोग करते हुए रिक्रूटमेंट पोर्टल पर जाना होगा और माय रिक्रूटमेंट से डिटेल्ड फॉर्म कम स्क्रुटनी में एप्लाई नाउ का चयन कर निर्धारित अवधि में विस्तृत आवेदन पत्र भरना सुनिश्चित करना होगा।

जांच, निरीक्षण और प्रेक्टिकल एग्जाम में गिफ्ट लेने वाले टीचर्स पर भी होगी कार्रवाई

■ प्राइवेट स्कूलों में स्वागत सत्कार करवाने पर लगी पाबंदी

■ प्रेक्टिकल परीक्षाओं के दौरान बाहरी वीक्षकों की नियुक्ति केवल गवर्नमेंट स्कूलों में काम रहे शिक्षकों में से ही की जाएगी।

बीकानेर । राजस्थान के शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूलों में निरीक्षण, जांच और परीक्षाओं के दौरान होने वाले स्वागत- सत्कार पर पाबंदी लगा दी है।

इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने एक आदेश जारी किया है। इसमें साफ कहा गया है कि किसी भी स्तर पर निरीक्षकों, वीक्षकों या अन्य अधिकारियों की मेहमानवाजी, आतिथ्य या स्वागत की परंपरा पर पूरी तरह रोक रहेगी। दरअसल, समय-समय पर शिक्षा विभाग की ओर से निजी स्कूलों में मान्यता, क्रमोन्नति, परीक्षा, प्रेक्टिकल एग्जाम और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के तहत निरीक्षण किए जाते हैं। इन अवसरों पर कई बार स्कूल प्रबंधन द्वारा अधिकारियों का स्वागत, भोजन व्यवस्था, ठहरने का इंतजाम किया जाता है। उपहार भी दिए जाते हैं। इसी को देखते हुए विभाग ने यह निर्देश जारी किए गए हैं।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रेक्टिकल परीक्षाओं के दौरान बाहरी वीक्षकों की नियुक्ति केवल गवर्नमेंट स्कूलों में काम रहे शिक्षकों में से ही की जाएगी। निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को किसी भी स्तर पर वीक्षक नहीं बनाया जाएगा। इसके साथ ही परीक्षा या निरीक्षण के दौरान किसी तरह का दबाव, अनुचित गतिविधि या नियमों के खिलाफ आचरण पाए जाने पर तत्काल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा विभाग ने किसी भी मामले की जांच या निरीक्षण के दौरान अधिकारी किसी भी तरह की मेहमाननवाजी स्वीकार नहीं करेगा। वहीं होटल में ठहराने की व्यवस्था, भोजन, जलपान अपने स्तर पर करेगा। इसके लिए राज्य सरकार संबंधित कर्मचारी व अधिकारी को सुविधा देती है। आदेश के तहत न सिर्फ अधिकारी बल्कि संबंधित संस्था पर भी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई संस्था या स्कूल इस तरह की व्यवस्था करता पाया गया तो उसे गंभीर अनुशासनात्मक अनियमितता माना जाएगा। संबंधित संस्था प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार में इन आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। साथ ही स्कूलों, छात्रों और अभिभावकों को भी इस बारे में जागरूक करने के लिए कहा गया है, जिससे पारदर्शी और निष्पक्ष शैक्षणिक वातावरण बना रहे। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं क्लास के प्रैक्टिकल एग्जाम की डेट डिसाइड कर दी गई है। रेगुलर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 1 जनवरी और प्राइवेट स्टूडेंट्स के 25 जनवरी 2026 से शुरू होंगे।

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 2965 दिनांक :- 23/12/2025

निविदा सूचना संख्या - 03/2025-26

सेक्टर-24 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में डी-एरिया की चारदीवारी का निर्माण व मरम्मत कार्य हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 25.12.2025 से 03.01.2026 तक सायं 6.00 बजे तक ई-प्रोक के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं मण्डल की वेबसाईट rhb.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- RHB2526WSOB00306

राज.संवाद/सी/25/16434 आवासीय अभियंता, खण्ड-तृतीय, जयपुर

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

क्रमांक :- राऋभमवि/अल/सा.प्रा./2025/1413 दिनांक :- 24/12/2025

E-Bid Inviting Notice

(NIB No. 07/2025-26)

RAJ RISHI BHARTRIHARI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR hereby invites E-Bid for Supply and Commissioning of New D.G. Set In Raj Rishi Bhartrihari matsya university at Haldina Campus, Alwar The bid may be Downloaded from 24/12/2025 at 2:00PM and last date of submission of the bid is 06/01/2026 at 1:00PM Details of The same may be seen on www.rrbmuniv.ac.in.

UBN No. MUA2526GLOB00022

Raj.Samwad/C/25/16466 Registrar

कार्यालय नगर परिषद, पुष्कर जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक / न.प.पु. / स्वास्थ्य / 2025-26 / 3025 दिनांक 22.12.2025

ई-निविदा सूचना

नगर परिषद पुष्कर में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों, सेवाप्रदाताओं व एनजीओ से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से वाहन चालक आपूर्ति कार्य (कार्य आदेश जारी होने से एक वर्ष की अवधि हेतु) कार्य हेतु राशि 23.50 लाख रूपये हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा फार्म डाउनलोड करके भरने की दिनांक 23.12.2025 को 09.00 ए.एम. से दिनांक 05.01.2025 को समय 3 पी.एम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526SLRC28100

राज.संवाद / सी / 25 / 16443 प्रशासक आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा / निर्माण / 2025 / 8892-94 दिनांक : 22.12.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 83/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 12.00 लाख रूपये से 29.00 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB28077, 2. DLB2526WSOB28078, 3. DLB2526WSOB28079

राज.संवाद / सी / 25 / 16447 आयुक्त, नगर परिषद बारां

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी

निविदा सूचना संख्या 21/2025-26

कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष संवेदक जो कि राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत हो, हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट www.aujodhpur.ac.in, www.sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

UBN No. JAU2526WSOB00154

राज.संवाद/सी/25/16393 भू-सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)

E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.:-07450-294239

क्रमांकः-न0पा0सा0 / 2025 / 3333 दिनांकः-22.12.2025

ई-निविदा-सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 3332 दिनांक 22.12.2025 के द्वारा कुल 04 कार्य की अनुमानित लागत 56.23 लाख की विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो से संबंधित "A", "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.	Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB28040	3	DLB2526WSOB28043
2	DLB2526WSOB28042	4	DLB2526WSOB28045

प्रशासक नगरपालिका सांगोद — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सांगोद

राज.संवाद / सी / 25 / 16419

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभास्मि शशि सूर्ययोः

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर

टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेलः zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिजियक), जयपुर डिस्कॉम के जेपीडीसी उत्तर वृत्त के क्षेत्र में सहायक अभियंता (भ्ज्ड), जेपीडी, जमवारामगढ़ के अधीन प्रस्तावित 132 के.वी. धौला जी.एस.एस. से 33 के.वी. इंटरकनेक्शन स्थापित करने का कार्य टीएन -162 के तहत एआरसी 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई - प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 26.12.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 08.01.2026 को सांय 04:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN: VVN2526WSOB00750

राज.संवाद/सी/25/16436 जेपीआर - 3104 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

भिवाड़ी इंटिग्रेटेड विकास प्राधिकरण

bida

एच-5, भगतसिंह कॉलोनी, भिवाड़ी, अलवर, दूरभाष :- 01493-230819

ई-मेल :- bida.bhiwadi@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- बीड़ा/अभि./5265/25 दिनांक :- 22/12/2025

Notice Inviting Bid

Bid for "Tubewell installation & Water pipeline laying work at BIDA Scheme-Pragati vihar", "HT line shifting in front of ramfal's house near khanpur chowk at alwar bypass road bhiwadi", "बीडा क्षेत्राधिकार मे टैण्ट व्यवस्था का कार्य।", "Renovation, Maintenance and security work of Tourism park, BIDA Sector 2,9 Bhagat singh colony Block-A, Block-B Parks", "Development of samtal chawk Bhiwadi", "बीडा लाइब्रेरी मे प्रथम तल निर्माण कार्य।", " 'Electrification work in vasundhra nagar model town scheme, BIDA Bhiwadi"," 'Construction of master plan 45m Road & divider from SH-25 to RHB area", "B.T repair and new road work in BKT area of BIDA" is invited from interested Bidders up to 02.00 PM date 15.12.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state; and https://bida.rajasthan.gov.in departmental website.

UBN: BDA2526WSOB00103 To BDA2526WSOB00111

Raj.Samwad/C/25/16400 Executive Engineer

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता

सा. नि. वि. विद्युत खण्ड प्रथम, जोधपुर

क्रमांक-अ.अ./वि.ख.प्र./जा./2025-26/3225-40 दिनांक-18.12.2025

निविदा सूचना संख्याः 37/2025-26

NIB Code PWD2526A4785

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न विद्युतीकरण कार्यों हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों द्वारा विद्युत कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in व 'http://www.sppp.rajasthan.gov.in/ http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत	रु.106.67 लाख अधिकतम एकल कार्य की राशि 106.67 लाख
कुल धरोहर राशि	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत अथवा नियमानुसार
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख व समय	18/12/2025 से 02/01/2026 तक सांय 06.00 बजे
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख व समय	18/12/2025 से 02/01/2026 तक सांय 06.00 बजे
तकनिकी/वित्तीय बिड़ खोलने की तारीख व समय	05/01/2026 मध्यांह 3.00 बजे से
प्री-बिड मीटिंग की तारीख व समय	29/12/2025 को दोपहर 1.00 बजे से अधिशाषी अभियंता सा0नि0वि0 विद्युत खण्ड प्रथम जोधपुर कार्यालय में
	1. Shifting of Electrical Line 11KV & LT Line on Construction of 4 Lane Road from Jalore to Bagra Including Divider (18 KM) of SH-31 In District Jalore. PWD2526WSOB19104 2.

DIPR/C/18937/2025 अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. विद्युत खण्ड प्रथम, जोधपुर

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : 4237 दिनांक : 19.12.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद क्षेत्र में स्थित सर्किट हाउस में डेकोरेटिव पोल व लाईट लगाने का कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में स्थित सर्किट हाउस में डेकोरेटिव पोल व लाईट लगाने का कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	25.00 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने / डाउनलोड की तारीख	20.12.2025 समय 2:00 पीएम से 08.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	08.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त तकनीकी बिड की खोलने की तिथि	09.01.2026 समय 4:00 पीएम
निविदा शुल्क	1000 / - रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500 / -रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्तें डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	02 माह
UBN.-	DLB2526WSOB28137

राज.संवाद / सी / 25 / 16451 सभापति नगरपरिषद, करौली — आयुक्त नगरपरिषद, करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,

सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड 3, जयपुर

क्रमांक :- 5114 दिनांक 19.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 72/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए पीडब्लयूएफ एण्ड ए.आर पार्ट ।। अपेण्डिक्स 16 दिनांक 1.07.1999 से लागू एवं समय समय पर पंजीयन नियमो सम्बन्धी वित्त विभाग द्वारा जारी आदि दिनांक संशोधित परिपत्रो के अनुरूप इस विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारो से मोहरबन्द निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in/ & www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	22.12.2025 (सोमवार) प्रातः 9.30 बजे से 26.12.2025 (शुक्रवार) तक सांय 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	22.12.2025 (सोमवार) प्रातः 9.30 बजे से 26.12.2025 (शुक्रवार) तक सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	27.12.2025 (शनिवार) को प्रातः 11.00 बजे से

NIT S. No	UBN No.	NIT S. No	UBN No.
1	PWD2526WSOB19250	16	PWD2526WSOB19265
2	PWD2526WSOB19251	17	PWD2526WSOB19266
3	PWD2526WSOB19252	18	PWD2526WSOB19267
4	PWD2526WSOB19253	19	PWD2526WSOB19268
5	PWD2526WSOB19254	20	PWD2526WSOB19269
6	PWD2526WSOB19255	21	PWD2526WSOB19270
7	PWD2526WSOB19256	22	PWD2526WSOB19271
8	PWD2526WSOB19257	23	PWD2526WSOB19272
9	PWD2526WSOB19258	24	PWD2526WSOB19273
10	PWD2526WSOB19259	25	PWD2526WSOB19274
11	PWD2526WSOB19260	26	PWD2526WSOB19275
12	PWD2526WSOB19261	27	PWD2526WSOB19276
13	PWD2526WSOB19262	28	PWD2526WSOB19277
14	PWD2526WSOB19263	29	PWD2526WSOB19278
15	PWD2526WSOB19264	30	PWD2526WSOB19279

(पवन कुमार कुलश्रेष्ठ) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड तृतीय जयपुर

DIPR/C/18980/2025

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : 4263 दिनांक : 19.12.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र निम्न कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य :- कुल कार्य 11
निविदा की अनुमानित लागत	109.81 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	23.12.2025 समय 2:00 पीएम से 15.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	15.01.2026 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	16.01.2026 समय 1:30 पीएम
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000 / - रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500 / -रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्तें डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	04 माह
UBN.-	DLB2526WSOB28113, 28115, 28117 28119, 28121, 28122, 28124, 28125, 28127, 28128, 28130, 28131

सभापति नगरपरिषद, करौली — आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राज.संवाद / सी / 25 / 16453

राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 जारी

नई फिल्म पर्यटन नीति, प्रदेश को ''फिल्मिंग हब'' के रूप में स्थापित करेगी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर/मण्डावा (कासं)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय फिल्मांकन का पसंदीदा गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रस्तावित राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 जारी की है। नीति में सब्सिडी / प्रोत्साहन एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के व्यापक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिससे यह नीति अन्य राज्यों की तुलना में फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षक होगी।

राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 जारी करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, मरुस्थलीय भू-भाग, ऐतिहासिक किले, महल और विविध प्राकृतिक लोकेशन्स विश्वस्तरीय हैं। नई फिल्म पर्यटन नीति राज्य को फिल्मिंग हब के रूप में स्थापित करेगी और युवाओं के लिए रोजगार तथा कौशल विकास के नए अवसर खोलेगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए न केवल सब्सिडी दी जाएगी, अपितु प्रशासनिक

- **राजस्थान में फिल्म निर्माण के प्रोत्साहन के लिए न केवल सब्सिडी दी जाएगी, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी सरल बनाएं : दिया कुमारी**

प्रक्रियाओं को सरल बनाकर नीति का सुगम क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा।

फिल्म व्यय पर 30 प्रतिशत तक दी जाएगी सब्सिडी

राजस्थान में फीचर फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग पर किए व्यय का अधिकतम 30 प्रतिशत तक सब्सिडी देने का प्रावधान है। अधिकतम सब्सिडी सीमा फीचर फिल्म 3 करोड़, वेब सीरीज पर 2 करोड़, टीवी सीरियल पर 1.5 करोड़ और डॉक्यूमेंट्री पर 2 करोड़ रु. सब्सिडी निर्धारित की गई है। हालांकि सब्सिडी प्राप्त करने के लिए राज्य में न्यूनतम व्यय फीचर फिल्म के लिए 2 करोड़, जबकि वेब सीरीज, टीवी सीरियल और राजस्थानी भाषा की फिल्मों के लिए 1 करोड़ रु. अनिवार्य होगा।

सब्सिडी प्राप्त के लिए तय किए प्रावधान

राजस्थान की लोकेशन्स को 5-15 प्रतिशत, 16-30 प्रतिशत और 30 प्रतिशत से अधिक स्क्रीन-टाइम देने पर क्रमशः 10, 20और 30 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। इसी प्रकार फीचर फिल्म की 50 प्रतिशत शूटिंग दिवस राजस्थान में करने और न्यूनतम व्यय सीमा पूरी करने पर अधिकतम 30 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाएगी। यदि पूरी फिल्म राजस्थान में शूट की जाती है तो अधिकतम सब्सिडी सीमा के अन्दर 5 प्रतिशत अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के नियंत्रण वाले शूटिंग स्थानों की अनुमति शुल्क-फीस (अधिकतम 5 दिन) की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति दी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को प्रोत्साहन

राजस्थान में फिल्माई गई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फीचर फिल्मों को अधिकतम 1 करोड़ तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को अधिकतम 50 लाख प्रोत्साहन राशि मिलेगी। फिल्म एन्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट कोलकाता और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली (एनएसडी) में अध्ययन-प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले राजस्थान निवासी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रत्येक वर्ष 10 छात्रों को चयनित कर अधिकतम 50,000 की 100 फीसदी ट्यूशन फीस सहायता एवं 5000 प्रतिमाह तक 100 प्रतिशत स्टाईपेंड प्रदान किया जाएगा।

फिल्म डायरेक्टरी और ऑनलाइन पोर्टल बनेगा

पर्यटन विभाग राज्य की सभी शूटिंग लोकेशन्स की विस्तृत डायरेक्टरी तैयार करेगा। साथ ही एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें निर्माता निर्देशक से लेकर कलाकार, तकनीशियन, संगीतकार, कोरियोग्राफर और लाइन प्रोड्यूसर तक सभी की सूची उपलब्ध रहेगी। यह पोर्टल फिल्म निर्माताओं के लिए वन-स्टॉप समाधान बनेगा।

थिएटर में रिलीज होने वाली हिंदी फिल्मों को न्यूनतम 200 स्क्रीन, राजस्थानी फिल्मों को 25 स्क्रीन और अन्य भाषाओं की फिल्मों को 100 स्क्रीन पर रिलीज करना अनिवार्य होगा। सभी सब्सिडी प्राप्त फिल्मों के लिए राज्य सरकार और पर्यटन विभाग को श्रेय देना अनिवार्य होगा।

मंत्री किरोड़ी ने किया सरस राजसखी मेले का अवलोकन

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केन्द्र स्थित शिल्पग्राम में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में बुधवार को मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल रहे। विशिष्ट अतिथि राज्य मिशन निदेशक, राजीविका नेहा गिरि तथा विशेष अतिथि अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित दिव्याकृति सिंह रही।

मंत्री किरोड़ीलाल ने मेले का अवलोकन करते हुए राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान एसएचजी दीदियों ने अपने अनुभव, आजीविका से जुड़े नवाचार और आत्मनिर्भरता की यात्रा साझा की, जिसकी माननीय मंत्री ने सराहना की। इस मौके पर आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के अंतर्गत चयनित 16 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मेले में आयोजित इन्फ्लुएंसर्स मीट ने युवाओं और डिजिटल मीडिया का विशेष ध्यान आकर्षित किया। शहर के प्रमुख डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने इसमें भाग लिया। इन्फ्लुएंसर्स को 30 दिसंबर तक मेले से संबंधित कंटेंट तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा करने का अवसर दिया गया है।

4 जनवरी को सर्वश्रेष्ठ स्टोरी टैलर्स का चयन किया जाएगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 1.50 लाख, द्वितीय 1 लाख और तृतीय 50 हजार रखा गया है। विजेताओं का चयन कंटेंट की गुणवत्ता, रचनात्मकता, स्टोरी टैलिंग, इंगेजमेंट और समग्र प्रभाव के आधार पर होगा। कार्यक्रम के समापन पर मंत्री ने इन्फ्लुएंसर्स से संवाद किया और मीडिया के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

देशी-अंग्रेजी शराब की तस्करी पर जयपुर पुलिस का शिकंजा

792 पव्वे बरामद, तस्करी में काम ली जा रही कार जब्त

खोरा बीसल पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया।

जयपुर (कासं)। खोरा बीसल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 792 अवैध शराब के पव्वे यानी 17 पेटी बरामद करते हुए तस्करी के काम में ली जाने वाली मारुति 800 कार जब्त की है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से अवैध शराब तस्करी करने

- **जयपुर से अवैध शराब लेकर ग्रामीण इलाकों सप्लाई करते थे बदमाश**

वाले अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि शहर में अवैध शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया है । इस विशेष अभियान के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर बैनाड रोड मारुति 800 कार को रोकर उसकी तलाश ली। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी से पुलिस ने 17 कार्टून अवैध शराब के पव्वे जब्त कर लिए। पुलिस पूछताछ में आरोपी अर्जुन (36) पुत्र पूरण लक्ष्मी नगर, निवारु रोड झोटवाड़ा निवासी ने बताया कि वो जयपुर से अवैध शराब खरीद कर ग्रामीण इलाकों में सप्लाई करता है। पुलिस ने आरोपी के पास से 4 कार्टून ब्लैक जगरुआर ट्रिपल एक्स रम के 168 पव्वे, 2 कार्टून व्हाईट वोटका, के 96 पव्वे, 1 कार्टून विटेज ऑरेंज वोटका के 48 पव्वे, 5 कार्टून देशी शराब जिसमें 240 पव्वे घूमर ,5 कार्टून देशी मदिरा शराब 240 पव्वे जब्त किए है। पुलिस ने अवैध शराब तस्कर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मारुति 800 कार भी जब्त कर ली है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अन्य शराब तस्करों के बारे में पूछताछ में जुटी है।

नाबालिग से दुष्कर्म पर युवक को सजा

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रामखिलाडी सैनी को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 साल के इस अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने न केवल पीडिता के साथ कई बार दुष्कर्म किया, बल्कि आपत्तिजनक फोटोग्राफ के जरिए उसे मजबूर किया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता ने 11 सितंबर, 2024 खोह-नागोरियान थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह सात भाई-बहिन है और पिता की मौत हो चुकी है। एक बार उन्होंने रामखिलाडी के पिता को घर की हालत बताई तो रामखिलाडी के जरिए जयपुर में काम पर लगाने की बात कही। जून-2023 को रामखिलाडी उसकी मां को विश्वास में लेकर उसे और बडी बहन को अपने साथ सीबीआई फाटक ले आया। 5 दिसंबर को आरोपी ने दुष्कर्म किया और आपत्तिजनक फोटो से ब्लैकमेल कर शोषण करने लगा।

राजस्थान के निर्यात में 10 प्रतिशत की वृद्धि : राठौड़

- **भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, ''अप्रेल से अक्टूबर-2024 में जहां राजस्थान का कुल निर्यात रूपये 52.673.94 करोड रु. था, जो कि अप्रेल से अक्टूबर 2025 में बढ़कर रूपये 58029.33 करोड रु. हो गया।''**

जयपुर (कासं)। भारत सरकार ने वर्ष 2025-26 के निर्यात आंकड़े जारी किए गये है, जिसके मुताबिक अप्रेल से अक्टूबर-2024 में जहां राजस्थान का कुल निर्यात रूपये 52.673.94 करोड रु. था, वहीं अप्रेल से अक्टूबर 2025 में यह बढ़कर रूपये 58029.33 करोड हो गया है। इस प्रकार राज्य के निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि वर्तमान सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह जानकारी प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने दी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में वर्ष 2022-23 में कुल निर्यात 77771.37 करोड़ था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 97 हजार 171.68 करोड़ हो गया है। वर्ष 2024-25 का निर्यात, वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक रहा है। मंत्री राज्यवर्धन राठौड ने बताया कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग निर्यातकों के उत्थान के लिए निरन्तर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024, एक जिला एक उत्पाद नीति -2024, तथा राइजिंग राजस्थान समिट-2024 लाई गई, जिससे प्रदेश के उद्योगों को बढ़ावा मिला।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य ने निर्यात में जिन उत्पादों में मुख्य रूप से वृद्धि दर्ज की है, उनमें जैम एण्ड ज्वैलरी, एग्रो एण्ड फूड प्रोडक्ट, स्टोन मार्बल ग्रेनाईट एवं लेदर प्रोडक्ट आदि है। इन क्षेत्रों मे न केवल राज्य के निर्यात को नई गति दी है, बल्कि बड़े पैमाने पर राज्य के व्यक्तियों को रोजगार भी मिला है। राज्य की इस वृद्धि से उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी बढ़ाने में सहायता के साथ-साथ नये मार्केट तक पंहुच बढ़ी है।

गोपालगढ़ हिंसा के समय आरोपी नाबालिग, किशोर न्याय बोर्ड करे सुनवाई : एसीजेएम

जयपुर (कासं)। सीबीआई मामलों की एसीजेएम कोर्ट ने गोपालगढ़ हिंसा से जुडे मामले में एक आरोपी को घटना के समय नाबालिग मानते हुए उसके प्रकरण को सुनवाई के लिए स्थानीय किशोर न्याय बोर्ड में भेज दिया है। अदालत ने कहा है कि संबंधित पक्षकार आगामी 27 जनवरी को बोर्ड के समक्ष पेश हों। इसके साथ ही अदालत ने सीबीआई को कहा है कि वह नाबालिग के संबंध में सक्षम अदालत में चालान पेश करें। अदालत ने यह आदेश आरोपी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने आरोपी के खिलाफ पूर्व में जारी गिरफ्तारी वारंट और संपत्ति कुर्क व नीलामी करने की कार्रवाई को भी रद्द कर दिया है।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता त्रिलोकचंद शर्मा ने बताया कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी पुलिस ने उसे आरोपित किया है। पूरक चार्जशीट में आरोपी के पिता का नाम शेरी नलवाला है, जबकि उसके पिता का नाम शेरसिंह है। सीबीआई ने उसके पिता का सरनेम गलत लिखा है। प्रार्थना पत्र के साथ दस्तावेज पेश कर कहा गया कि घटना के समय उसकी उम्र 16 साल एक महीने ही थी। इसके बावजूद भी उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर उसे भगोड़ा किया और उसकी संपत्ति को कुर्क व नीलाम करने के आदेश जारी कर दिए। इसलिए उसे भगोड़ा घोषित करने और कुर्की व नीलामी की कार्रवाई के आदेश को रद्द किया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि इस मामले की ट्रायल एडीजे कोर्ट-4 में चल रही है और उसमें 83 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। प्रार्थी गिरफ्तारी वारंट के बावजूद भी पेश नहीं हुआ।

श्याम धनी के आईपीओ ने हासिल किए 25 हजार करोड़ के बिड्स

रामावतार अग्रवाल

ममता अग्रवाल

विठ्ठल अग्रवाल

जयपुर (कासं)। राजस्थान की श्याम धनी इंडस्ट्रीज लि. ने एसएमई आईपीओ बाजार में 25 हजार करोड़ से अधिक के बिड्स हासिल करके इतिहास रच दिया है, जो एसएमई बाजार में अब तक का सबसे अधिक सब्सक्रिब किया गया आईपीओ बन गया है।

इस आईपीओ में निवेशकों की भारी मांग देखी गई है, जो कंपनी के मजबूत बिजनेस फंडामेंटल्स, ग्रोथ पोटेंशियल और गवर्नेंस फ्रेमवर्क में विश्वास को दर्शाता है। आईपीओ का प्रबंधन राजस्थान स्थित प्रमुख मर्चेंट बैंकिंग फर्म होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लि. द्वारा किया गया है, जो एसएमई बाजार में बेहतरीन कंपनियों को लिस्ट करने के लिए जानी जाती है। टोटल सब्सक्रिप्शन 918 गुना ओवर-सब्सक्राइब हुआ है। यह जानकारी चैयरमैन रामावतार अग्रवाल, निदेशक ममता अग्रवाल और विठ्ठल अग्रवाल ने दी है।

पारदर्शी और डिजिटल सार्वजनिक उपापन की दिशा में मील का पत्थर एस.एच.पी.पी.

सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल की लॉन्चिंग कार्यशाला संपन्न

सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल के परिचय के लिए अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित हुई।

जयपुर । वित्त विभाग के तत्वाधान में सार्वजनिक उपापन प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं पूर्णतः डिजिटल बनाने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (एसएचपीपी) के परिचय, आमुखीकरण एवं लॉन्चिंग के लिए बुधवार को कार्यशाला हुई। जिसकी अध्यक्षता वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने की।

गालरिया ने सार्वजनिक उपापन प्रणाली की वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए एसएचपीपी को एक यूनिफाइड सॉल्यूशन बताया, जो विभिन्न प्रक्रियाओं को एकीकृत कर सरकारी खरीद को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाएगा। शासन सचिव बजट राजन विशाल ने एसएचपीपी की अवधारणा, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि एस.एच.पी.पी. की प्रभावी क्रियान्विति से संविदा प्रबंधन एवं सार्वजनिक उपापन प्रणाली सुदृढ़ होगी, जिससे राजकीय योजनाओं एवं परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा तथा विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि एसएचपीपी एक इंटीग्रेटेड सिस्टम है, जिसमें एसएचपीपी, ई-प्रोक्योरमेंट, जैम एवं वाम जैसे प्लेटफॉर्म्स को एकीकृत कर एक ही सिंगल डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। कार्यशाला के दौरान एसएचपीपी के चार प्रमुख मॉड्यूल- रिक्वेस्ट फॉर कोटेशन, लिमिटेड बिडिंग, प्रोक्योरेंट फ्रॉम नोटिफाइड एजेंसीज, व्हीकल ऑन हायरिंग का औपचारिक लॉन्च किया गया तथा लाइव डेमो के माध्यम से इसकी कार्यप्रणाली का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष , वित्तीय सलाहकार, मुख्य लेखाधिकारी सहित वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एसएचपीपी के माध्यम से राज्य सरकार की मंशानुसार सार्वजनिक उपापन प्रक्रिया को आधुनिक, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनाते हुए सुशासन की दिशा में एक सशक्त कदम उठाया गया है।

फ्लाई-पास्ट अभ्यास के दौरान पतंगबाजी पर रोक

जयपुर। सेना दिवस पर प्रस्तावित फ्लाई पास्ट (विमान परेड) अभ्यास को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर कड़े निर्देश जारी किए हैं। जिसके चलते राजधानी में जगतपुरा इलाके में महल रोड के पांच किलोमीटर के दायरे में 14 दिन पतंगबाजी पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में जयपुर के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. राजीव पचार ने इस संबंध में बीएनएस की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार जयपुर में सेना दिवस के अवसर पर 15 जनवरी को परेड महल रोड पर होगी। इससे पहले करीब 13 दिन तक फ्लाई पास्ट (विमान परेड) की रिहर्सल होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए महल रोड के पांच किलोमीटर के दायरे में पतंग उडाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया सेना दिवस के परेड स्थल महल रोड (हरे कृष्णा मार्ग) जगतपुरा के ऊपर के क्षेत्र में फ्लाई पास्ट अभ्यास (विमान परेड) का आयोजन होगा। इस दौरान विमान बहुत कम ऊंचाई पर उडान भरेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे भी होंगे। जिनकी सुरक्षा के मद्देनजर महल रोड, हरेकृष्णा मार्ग, जगतपुरा के पांच किलोमीटर के दायरे में पतंग उड़ाने पर रोक लगाई गई है। उन्होंने बताया कि 2 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक पतंगबाजी पर रोक रहेगी।

खुद को पुलिसकर्मी बताकर जेवर लूट ले गए बदमाश

- **महिला के सोने के आभुषण लेकर फरार हुए बाइक सवार आरोपी**

जयपुर। महेश नगर इलाके में शातिर बाइक सवार बदमाश ने बुजुर्ग महिला दंपति को रोका और गले में पहने हुए सोने के मंगल सूत्र के असली और नकली होने की जानकारी ली। असली होने की जानकारी मिलने के बाद शातिर बाइक सवार बदमाश ने पीड़िता को अपनी बातों में उलझाया और सोने का मंगलसूत्र, हाथों में पहने कड़े और अंगूठी लेकर फरार हो गए। शातिर बदमाश जाते वक्त पीड़िता को कागज की पुड़िया थमा गए। शातिर बदमाशों के फरार होने के बाद पीड़िता ने कागज की पुड़िया खोली तो उसमें पीतल की तीन चूड़ियां मिली। जिसके बाद पीड़िता को खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उसने मामले की जानकारी तुरंत पुलिस कंट्रोल रुम को दी। कंट्रोल रुम की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि गोविंदपुरी स्वेज फॉर्म निवासी गोविंद सिंह और उकसी पत्नी रमा देवी सब्जी खरीदने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान शाम साढ़े पांच बजे ज्योतिबा फुले कॉलेज के पास एक बिना नंबर की काली बाइक पर दो बदमाश आए और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए बुजुर्ग दम्पति को रोक लिया। युवकों ने रौब दिखाते हुए खुद को पुलिसकर्मी बताया और पास ही एक सीनियर सिटीजन के साथ वारदात होने की बात कहते हुए उनकी तलाशी लेने को कहा। बाइक सवार शातिर बदमाशों ने बुजुर्ग महिला के गले में पहने मंगल सूत्र के असली या नकली होने के बारे में पूछताछ की। घबराई महिला ने मंगलसूत्र खोले कर अपने पति को दे दिया। तभी बाइक सवार बदमाश ने हाथ पर झपट्टा मार सोने का मंगल सूत्र छीन लिया और पति के हाथ में पहनी हुई सोने की अंगूठी जबरन उतरवा ली। विरोध करने पर शातिर बदमाशों ने बुगुर्ग दम्पति से गाली-गलौच करना शुरु कर दिया और एक कागज की पुड़ियां पकड़ाकर फरार हो गए। बदमाशों ने जाने के बाद बुजुर्ग दम्पति ने पुड़िया खोलकर देखी तो उसमें पीतल की तीन चूड़ियां मिली। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है।

सार-समाचार

डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की ट्रॉफी लॉन्च

जयपुर । जयपुर स्थित वेदा पाणिग्रह में डीपीएल क्रिकेट लीग के 18वें सीजन का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डीपीएल ट्रॉफी के साथ-साथ विमेन डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की ट्रॉफी भी औपचारिक रूप से लॉन्च की गई। इस दौरान लीग में शामिल सभी 20 टीमों की जर्सी और डॉक्टर्स क्रोनिकल मैगजीन के कवर पेज का भी का अनावरण भी किया गया। जिसे डीपीएल के चेयरपर्सन डॉ. शिवराज सिंह राठौड़ ने मंच से लॉन्च किया। इस आयोजन में देशभर से लगभग 700 प्रतिष्ठित डॉक्टर्स की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक एवं प्राचार्य दीपक माहेश्वरी, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एमेरिटस चेयरपर्सन डॉ. एमएल स्वर्णकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों और लीग चेयरपर्सन डॉ. रिमी शेखावत ने सभी अतिथियों को बुके, स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण इंडिया ग्लैम की मॉडल्स द्वारा प्रस्तुत रैंप वॉक रहा। जिसमें सभी टीमों की जर्सी पहनकर मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। चेयरपर्सन डॉ. शिवराज सिंह राठौड़ ने कहा कि यह केवल एक क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि डॉक्टरों को व्यस्त जीवन से कुछ समय निकालकर आपसी संवाद, टीम भावना और मानसिक सुकून प्रदान करने का एक सशक्त मंच है। मरुधर हॉस्पिटल की डायरेक्टर एवं विमेन डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की चेयरपर्सन रिमी शेखावत ने महिला डॉक्टरों की खेलों में बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डाला।

विमेंस आर्ट औरा की कला प्रदर्शन

जयपुर । हवा महल में चल रही विमेंस आर्ट औरा की समूह कला प्रदर्शनी में सुनीता जोशी की तंजोर व राजस्थानी शैली की फ्यूजन कृति ''बणी थणी''एवं अलौकिक लहरों पर आधारित अमूर्त पेंटिंग्स दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। हवामहल की कला दीर्घा में चल रही इस समूह प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आई महिला कलाकारों ने भाग लिया है। पारंपरिक से लेकर समकालीन दृष्टि तक फैली ये कृतियां रंग, टेक्सचर और विषय-वस्तु के स्तर पर दर्शकों को नया अनुभव दे रही है। सुनीता जोशी ने तंजोर की सुस्पष्ट रेखाओं, सुनहरे आभा वाले स्वरूपों और राजस्थानी लोक-तत्वों को संयोजित कर फ्यूजन रचनाएं प्रस्तुत की हैं, जो देवत्व और लोकजीवन दोनों की झलक एक साथ दिखाती हैं। उनके कैनवास पर पारंपरिक तंजोर आभूषण, राजस्थानी पोशाक और स्थानीय स्थापत्य की झांकी मिलकर ऐसा दृश्य रचती है, जो हवामहल आने वाले हर कला प्रेमी को ठहरकर निहारने को विवश कर देती है। प्रदर्शनी में आने वाले दर्शक सुनीता जोशी की कृतियों के सामने सेल्फी लेते, नोट्स बनाते और कला के प्रतीकार्थ पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। विनीता आर्ट्स के अनुसार इन रचनाओं ने युवा दर्शकों को भी भारतीय परंपरा और आधुनिक प्रयोगशीलता के साथ जुड़ने का मौका दिया है, जिससे हवामहल सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि जीवंत कला-केंद्र के रूप में उभर रहा है।

30 हुक्का बारों पर पुलिस की छापेमारी

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई कर तीस से अधिक हुक्का बार के खिलाफ कार्रवाई कर मैनेजर सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान तीस से अधिक हुक्के सहित कई तहर के फ्लेवर जब्त किए है। सीएसटी टीम ने पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश व स्पेशल कमिश्नर राहुल प्रकाश के सुपरविजन में सीएसटी टीम ने जयपुर के कई इलाकों में एक साथ छापेमारी की। सीएसटी टीम ने जवाहर सर्किल, विधायकपुरी सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित रेस्टो-बार और रूफटॉप कैफे पर दबिश दी। इस दौरान बर्लिसिस रेस्ट्रो बार, इजारा रूफ़टॉप समेत अन्य स्थानों पर अवैध रूप से हुक्का परोसे जाने का खुलासा हुआ।छापेमारी के दौरान पुलिस ने 30 से अधिक हुक्का, फ्लेवर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। मौके से मैनेजर सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएसटी टीम ने कार्रवाई के दौरान 7 से अधिक लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध हुक्का संचालन और नियमों के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता रूंगटा का सम्मान आज

जयपुर । पिंक सिटी प्रेस क्लब में गुरूवार प्रातः 10 बजे वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर संतोष कुमार रूंगटा, सीनियर एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली के साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित दो दृष्टि दिव्यांग अधिकारियों तथा वर्ल्ड कप जीत कर आई एक महिला खिलाड़ी के सम्मान के लिए समारोह आयोजित किया जा रहा है। राजस्थान नेत्रहीन सेवा संघ के महासचिव जय राम मीणा ने बताया कि समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा डॉ. प्रेम चंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, प्रगतिशील मंच, पूर्व विधायक संघ के अध्यक्ष जीतराम चौधरी तथा भाजपा उपाध्यक्ष बिहारी लाल विश्नोई सहित कई गणमान्य समाज सेवी शिरकत करेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले 40 साल से अब तक वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन की अध्यक्षता यूरोपीय देशों के प्रतिनिधियों के हाथ में रही है। पहली बार भारत के संतोष कुमार रूंगटा, इस संस्था के चेयरमैन निर्वाचित हुए हैं जो राजस्थान के झुंझुनू जिले के मूल निवासी है।

पिता ने लगाया बेटे की हत्या का आरोप

जयपुर । मालवीय नगर थाना इलाके में सितम्बर माह में रेलवे ट्रैक के पास मिले हितेश के शव को लेकर अब नया मोड सामने आया है। इस मामले में मृतक हितेश के पिता ने अपने पुत्र की हत्या कर उसके शव को रेलवे ट्रैक पर फेंकने का आरोप लगाते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गौरतलब है कि सितम्बर माह में मालवीय नगर इलाके में गौरव टावर के पीछे रेलवे लाइन पर हितेश का शव पड़ा मिला था। जिसके बाद राहगीरो की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कर मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। वहीं इस मामले में मृतक हितेश के पिता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंकने का आरोप लगाया है।

NAME CHANGE

I Ranjeet Kaur Mother of Army No.18015261A, Spr, Mandeep Singh, Residing at Bajrur, Anandpur Sahib, Ropar, P.B. 140119 have change my name from Ranjeet Kaur to Ranjit Kaur vide affidavit no BZ 922640 dt 24/12/2025 at court campus Nasirabad

LSG/BEAWAR/MUT/163913
DATE :- 09.12.2025 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10413 दिनांक-19-12-25

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती गीता सिंह पत्नी श्री अजय सिंह, श्री अजय सिंह पुत्र श्री भंवरलाल दग्दी निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1/राज्य कर्मचारी कॉलोनी गायत्री नगर नरसिंहपुरा खसरा नं. 463,466,468,469,467 प्लाट नं. 22 क्षेत्रफल 272.22 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री रामगोपाल पुत्र श्री रोडमल जी के नाम पट्टा विलेख जारी है। श्री रामगोपाल जी मृत्यु दिनांक 10.07.2015 रजि बेचान-नामा दिनांक 18.08.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नही होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/164072
DATE :- 10.12.2025 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10564 दिनांक-24-12-25

सार्वजनिक सूचना

श्री धनराज पुत्र श्री बजरंग लाल निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 3/शान्ति नगर प्लाट नं. 72 क्षेत्रफल 116.00 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री छोगा जी के नाम दर्ज है। रजि बख्शीश-नामा दिनांक 09.09.2021 रजि बेचान-नामा दिनांक 11.09.2025, 23.11.2024 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नही होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

आम सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल/व्यवहारी श्रीमती जुगली देवी निवासी-अजमेर राजस्थान ने एक ए.एम.सी. में स्थित संपति नंबर 958/28,खटीक मोहल्ला, पहाड़गंज, तहसील एवं जिला अजमेर राजस्थान में आई हुई है। यह है कि सर्वप्रथम उक्त संपति के संबंध में श्री मोहन द्वारा श्री पुष्करलाल के पक्ष में 1.11.1972 को निष्पादित गैर-पंजीकृत विक्रय विलेख यह है कि इसके पश्चात दिनांक 31.01.2000 श्री पुष्करलाल ने रतन लाल खटिक के पक्ष में एक वसीयत निष्पादित की। तत्पश्चात इकरारनामा और पावर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 31.01.2000 श्री पुष्करलाल ने रतन लाल खटिक के पक्ष में निष्पादित की। यह है कि इसके पश्चात श्री पुष्करलाल का स्वर्गवास दिनांक 25.5.2012 को हो गया। तत्पश्चात श्रीमान रतन लाल खटिक द्वारा दिनांक 01.03.2019 को श्रीमती जुगली देवी के पक्ष में उक्त संपति संबंधी रजिस्टर्ड उपहार पत्र निष्पादित की गई जो सब रजिस्ट्रार अजमेर में दर्ज है। उक्त सम्पति पर श्रीमती जुगली देवी ने मेरी अभिभाष्य संस्था कैपिटल इंडिया फाइनेंस लिमिटेड से लोन हेतु आवेदन किया है और इसमें से एक वसीयत निष्पादित हुई किसी को भी आपति हो तो 7 दिवस में लिखित रूप से सूचित करें अन्यथा उक्त समय अवधि के उपरांत अगर कोई आपति जताई जाती है तो उक्त आम सूचना के जरिये शून्य व निष्प्रभावी होगा और मेरे व्यवहारी का किसी प्रकार का दायित्व निहित नही होगा।

दिनांक-24.12.2025
वास्ते-गिरीराज सोनी एण्ड एसोसिएट्स
अधिवक्ता गिरीराज सोनी, दुकान नं. 2 दूसरी मंजिल स्वामी कॉम्पलेक्स कचहरी रोड अजमेर राजस्थान 305001, मो. 9680430987

सरवाड़ में पहुंच रहे हैं जायरीन

सरवाड़,(निसं)। अजमेर में चल रहे उर्स को लेकर सरवाड़ में भी जायरीन लगातार पहुंच रहे हैं वहीं ख्वाजा फखरुद्दीन चिश्ती की दरगाह में पहुंचकर दुआ मांग रहे हैं व चादर व फूल पेश कर अमन चैन की दुआ मांग रहे हैं वहीं विश्राम स्थली से लेकर दरगाह चौक बुधवार को जायरीनों से भरा हुआ था वहीं काफी तादात में मेले में छोटी -बड़ी गाड़ीयां पहुंच रही है।

NAME CHANGE

I Bhawana Bisht Mother of Army No.18017971W, Spr, Sagar Singh Bisht, Residing at Boragoth, Tanakpur, Champawat, U.K.262309 have change my name from Bhawana Bisht to Bhavana Devi vide affidavit no BZ 922642 dt 24/12/2025 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Narendra Singh Bisht Father of Army No.18017971W, Spr, Sagar Singh Bisht, Residing at Boragoth, Tanakpur, Champawat, U.K.262309 have change my name from Narendra Singh Bisht to Narender Singh vide affidavit no BZ 922641 dt 24/12/2025 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I MANJU DEVI Wife of Army No JC293963A, NB/SUB, RAJU KUMAR,Residing Village- Plot No. 336, NEAR BHOYAR COLLAGE, YASHODHRA NAGAR, Po & Teh-KAMPTEE, Dist - NAGPUR, M.H, 441001 Have changed my name From MANJU to MANJU DEVI Vide affidavit no BZ-922913 Dt 24/12/2025 before court Campus Nasirabad

आम सूचना

मेरी माता छोटी देवी पत्नि देवी भील जाति भील निवासी ग्राम अराई की मृत्यु दिनांक 08.10.2023 को मेरे निवास स्थान ग्राम अराई में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत अराई में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी माता छोटी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- कालू भील पुत्र देवी भील जाति भील निवासी ग्राम अराई तहसील अराई अजमेर

एडीए समस्या समाधान शिविर में, 1556 प्रकरण निस्तारित एवं 1009 पट्टे जारी

अजमेर (कासं)। राज्य सरकार के निर्देषानुसार चलाये जा रहे समस्या समाधान शिविर 2025 अवधि 16 से 24 दिसम्बर तक का बुधवार को समापन हो गया, राज्य सरकार द्वारा प्रदत छूटों, सरल प्रक्रिया एवं समस्याओं का मौके पर समाधान होने से लोगों में खुशी की लहर है, अभियान के दौरान अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा 1581 प्रकरणों का 1556 निस्तारण किया गया तथा 1009 पट्टे जारी किये गये।

शिविर के दौरान कृषि भूमि पर बसी आवासीय योजनाओं में 782 पट्टे, प्राधिकरण की योजनाओं में 178 पट्टे तथा लीज होल्ड से फ्री होल्ड के 49 पट्टे जारी किये गये। इसके अतिरिक्त बकाया लीज मुक्ति के 11 निर्माण अवधि विस्तार के 132, भवन मानचित्र के 56 , नाम हस्तान्तरण के 309, भूखण्ड उपविभाजन एवं पुर्नगठन के 25, तथा अन्य 14 प्रकरण निस्तारित किये गये। अभियान के दौरान प्राधिकरण को 1063.58 लाख राजस्व अर्जित हुआ। इस दौरान कई लोगों ने प्राधिकरण की नयी आवासीय योजना श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। शिविर में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन के प्रश्नों एवं समस्याओं का समाधान किया, शिविर के दौरान 599 आवेदन प्राप्त हुए। प्राधिकरण आयुक्त नित्या के. ने प्रतिदिन शिविर में उपस्थित होकर अभियान की प्रभावी मोनेटरिंग की। आयुक्त ने शिविर में आये आमजन की समस्याओं के बारे में फीड बैक लेकर अधिकारियों/कर्मचारियों को मौके पर ही समस्याओं के निराकरण के आदेश देने से प्रकरणों का त्वरित निस्तारण हुआ।

शिविर के दौरान लोगों ने प्राधिकरण की नयी आवासीय योजना श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

- प्राधिकरण आयुक्त नित्या के. ने प्रतिदिन शिविर में उपस्थित होकर अभियान की प्रभावी मोनेटरिंग की।

आज के निस्तारण: शिविर में अन्तिम दिन आज लगभग 550 लोग शिविर मे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित हुए 517 लोगों ने लिखित आवेदन प्रस्तुत किये। प्राधिकरण ने बुधवार को 279 पट्टों सहित 504 प्रकरणों का निस्तारण किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर योजना में बुधवार को 64 आवेदन प्राप्त हुए, अब तक इस योजना में 1166 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं आवेदन की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर है।

डीडी पुरम के क्षेत्रवासियों ने किया आभार व्यक्त: लंबे समय से डीडी पुरम योजना के क्षेत्रवासियों को भूमि के बदले भूमि आवंटन के लिए समस्या का सामना करना पड़ रहा था, शिविर के दौरान 121 फ्री होल्ड पट्टे जारी किए गए। समस्या का समाधान होने से आज शिविर में डीडी पुरम के क्षेत्रवासी उपस्थित हुए व आयुक्त महोदय द्वारा किए गए विशेष प्रयासों की सराहना करते हुए दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर प्रतीक स्वरूप भेंट की तथा अन्य संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे पुष्कर

राजनाथ सिंह वरिष्ठ पत्रकार डॉ. इंदुशेखर पंचोली की सुपुत्री के वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेकर नवदम्पति को दिया आशीर्वाद।

पुष्कर, (निसं)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भारी सुरक्षा के बीच बूढ़ा पुष्कर के निजी रिसोर्ट में पहुंचे और शादी समारोह में शामिल हुए। यहां पर राजनाथ सिंह का शाही अंदाज से स्वागत किया गया ।

इस मौके पर राजस्थान के कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत अजमेर जिला कलेक्टर लोकबंधु समेत तमाम जिले के अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन की ओर से रक्षा मंत्री को गॉड ऑफ़ ऑनर देने की तैयारी की गई थी, लेकिन निजी कार्यक्रम में शामिल होने के चलते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गार्ड ऑफ ऑनर नहीं लिया। करीब 45 मिनट शादी समारोह में शामिल होकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुरक्षा लवाजमे के साथ पुष्कर वापस रवाना हुए।

- राजनाथ सिंह वरिष्ठ पत्रकार डॉ. इंदुशेखर पंचोली की सुपुत्री के वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेकर नवदम्पति को दिया आशीर्वाद

स्कूल में दरी- पट्टी भेंट

ब्यावर(निसं)। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन जिला शाखा द्वारा राउमा विद्यालय लसाडिया के विद्यार्थियों के लिए 20 दरी-पट्टी भेंट की गई। संस्था प्रधान निधि चौहान ने बताया कि विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक बलराज सिंह राठौड की प्रेरणा से संगठन के अध्यक्ष नरेश कुमार गुप्ता व सचिव सतीश गर्ग के नेतृत्व में संगठन की पूरी टीम द्वारा विद्यालय में 20 दरी- पट्टी तथा सभी विद्यार्थियों को फल वितरित किए।

तालाब से जल कुंभी निकालने की मांग

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। सातोलाव तालाब में जलकुम्भी एक बार फिर फैल चुकी है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष खलील अहमद शोरगर के नेतृत्व में नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया की तालाब में जलकुम्भी तालाब फैल चुकी। नारायणदास बगीची, पंचमुखी बालाजी मंदिर में दर्शनार्थ श्रद्धालूओ को बदबू से परेशान होना पड रहा है। शिष्टमंडल में डॉ सलीम पारली, सद्दाम शेख, शंकरलाल नायक, निजामुद्दीन, गज्जु प्रजापत, आदित्य सैन, द्वारकाप्रसाद, नृसिंह, किशन मालाकार, निखिल कांडा, इमरान टाक, शरीफ मोहम्मद, रमजान आदि शामिल रहे।

उपखण्ड अधिकारी को समस्याओ को लेकर ज्ञापन सौंपा

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। किशनगढ़ बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेश जाट व बार एसोसिएशन अराई अध्यक्ष रामेश्वर लाल चौधरी के नेतृत्व में विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर उपखण्ड अधिकारी अराई नीतू मीणा को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में मांग की गई कि राजस्व मण्डल के निर्देश अनुसार राजस्व कोर्ट समय अपरान्ह 3 से सांय 5 बजे तक रखा जाये, वकील की उपस्थिति के बिना किसी भी पत्रावली में कोई प्रतिकूल आदेश जारी नहीं हो, कोर्ट में नियत समय तक रीडर की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये, पत्रावली पर नियत तारीख को ही आदेशिका लिखी जाये। पीठासीन अधिकारी के सुनवाई हेतु बैठने या नहीं बैठने की सूचना नोटिस बोर्ड पर चस्पा हो। उपखण्ड अधिकारी ने शीघ्र ही उचित कार्यवाही के लिये आश्वस्त किया।

भोपाल डेयरी के पशुपालकों ने किया अजमेर डेयरी के नए प्लांट का अध्ययन भ्रमण

अजमेर(निसं)। भोपाल डेयरी से आए पशुपालकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अजमेर डेयरी के नए प्लांट का भ्रमण किया। इस अवसर पर अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए प्लांट की कार्यप्रणाली, दूध संग्रहण, प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण की विस्तृत जानकारी दी।

- आधुनिक तकनीक और गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली से हुए प्रभावित

प्लांट भ्रमण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने पशुपालकों को दूध संग्रहण से लेकर पैकेजिंग तक की संपूर्ण प्रक्रिया का तकनीकी विवरण दिया। साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार कडे गुणवत्ता मानकों के तहत दुग्ध उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

इस मौके पर प्रबंध संचालक रामलाल चौधरी और उपप्रबंधक (पी एंड आई) लादूराम चौधरी ने डेयरी के नवाचार, विस्तार योजनाओं और किसानों को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डाला।

रामलाल चौधरी और लादूराम चौधरी ने डेयरी के नवाचार, विस्तार योजनाओं और किसानों को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक अपनाकर किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भोपाल डेयरी की ओर से फील्ड मैनेजर प्रसून सिंह के नेतृत्व में 40 से अधिक पशुपालक इस भ्रमण में शामिल हुए। किसानों ने प्लांट की सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली की सराहना की और इसे अपने डेयरी व्यवसाय के विकास के लिए प्रेरणादायी बताया।

मंत्री को मिला अन्तर्राष्ट्रीय अटल अवार्ड

अजमेर(निसं)। दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में अटल फाउंडेशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय अटल सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें लायंस क्लब इंटरनेशनल के निवर्तमान प्रांतपाल लायन श्यामसुंदर मंत्री को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मात्र सम्मान समारोह नहीं बल्कि अटल बिहारी वाजपेयी को जन्म शताब्दी वर्ष की श्रद्धांजलि है, और उनकी संस्कार शैली से जुड़े व्यक्तियों को भी सम्मानित कर फाउंडेशन ने शताब्दी वर्ष की श्रद्धांजलि दी। अटल फाउंडेशन की अध्यक्षा अपर्णा सिंह ने बताया कि वाजपेयी ने विरोध में भी मर्यादा जैसे लोकतांत्रिक संस्कार को अपने आचरण से सिद्ध किया है , सादगी में गरिमा और संयम में शक्ति अटल बिहारी वाजपेयी की जीवन शैली थी। संस्था के चेयरमैन रमेश भूतड़ा ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन हमें सिखाता है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.
E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांकः-नपाप. / विकास शाखा / 2025-26 / 3190 दिनांकः- 22.12.2025

ई-निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 22.12.2025 का 18:00 बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB NO : DLB2526A9363
UBN NO : DLB2526SLOB28005
राज.संवाद / सी / 25 / 16389 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0
टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com
क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/5273 आपति आमन्त्रित सूचना दिनांकः 23-12-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि निम्न वर्णित आवेदक ने 69-A के तहत पालिका को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगे। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/ प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क.सं.	मकान मालिक का नाम	मौहल्ले का नाम	क्षेत्रफल
1	धनप्रकाश एस पुत्र शोभागमल जेन	आबादी क्षेत्र स्थानक गली बिजयनगर आबादी भूखण्ड	98.50 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर पालिका जैतारण, जिला-ब्यावर (राज.)

क्रमांक :-न.पा.जै. / 25-26 / 4746 आपति आमंत्रण सूचना दिनांक :- 18.12.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियो द्वारा निर्माण स्वीकृति / नामान्तरण चाहने हेतु कार्यालय नगर पालिका जैतारण में आवेदन किया है । इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें बाद मियाद (अवधि) गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेंगी व आवेदको के पक्ष में अगिम कार्यवाही की जावेंगी।

क. स.	आवेदक का नाम	कॉलोनी का नाम	पट्टा पत्रा. का विवरण	खसरा नं	प्रयोजनार्थ क्षेत्रफल	वि.वि.
1	श्री भंवरलाल गुर्जर पुत्र श्री लालाराम जाति गुर्जर निवासी आसरलाई तह.जैतारण	नीलकंठ महादेव नगर सी जैतारण	पत्रा.सं 31 / 2015-16	119 / 12	138.88 वर्गगज 116.12 वर्गमी.	निर्माण स्वीकृति (आवासीय)
2	श्री नरेन्द्र कुमार मेवाडा पुत्र स्व. श्री नारायणलाल मेवाडा श्री हेमेन्द्र मेवाडा , श्री दीपक मेवाडा पुत्र स्व. श्री मदनलाल मेवाडा	अजमेरी गेट के अंदर पुलिस थाना रोड जैतारण	पत्रा.सं 223 / 2021-22 पट्टा सं. 258 / 21-22	69 क	2588.5 वर्गफीट 286.93 वर्गगज	निर्माण स्वीकृति (मिश्रित)
3	श्रीमती पिस्ता तंवर पत्नी श्री विनित कुमार तंवर निवासी बिकरलाई तह.जैतारण	सरस्वती नगर ए जैतारण	विक्रय पत्र संख्या 110 / 2010-11	105, 105 / 4 , 107 / 3 , 107 / 5	1350 वर्गफुट 150 वर्गगज	निर्माण स्वीकृति(आवासीय)
4	श्री रोशनदेवी पटेल पत्नी श्री राजेन्द्र पटेल जाति कुमावत निवासी बिलाडा तह.बिलाडा	नगर जैतारण (भाटी नगर) जैतारण	पत्रा सं 524 / 2012-13	949	1000 वर्गफुट 111.11 वर्गगज	निर्माण स्वीकृति(आवासीय)
5	श्री पुखराज चौधरी पुत्र श्री बाबुलाल चौधरी जाति सीरवी निवासी काणेचा तह. जैतारण	बिरोल रोड जेतारण	पत्रा सं 03 / 2019-20 पट्टा 4204	72 / 12	255.51 वर्गगज 213.75 वर्गमी.	निर्माण स्वीकृति(आवासीय)
6	श्रीमती नसीम बेगम पुत्री हाजी नवाब खांजी जोजें हमीद अली जाति सिपाही (मुसलमान) निवासी जैतारण	पुलिस थाना रोड जैतारण	पत्रा सं 23 / 83 पट्टा संख्या 48 / 83 पट्टा पुस्तक सं 03	स्टेट ग्रांट एक्ट	645.93 वर्गफुट 71.77 वर्गगज	नामांतरण
7	श्री अभीजीत गुगलिया पुत्र स्व. श्री प्रकाशचंद्र जाति जैन निवासी सिंधीयो की पोल जैतारण	सिंधीयो की पोल	पट्टा सं 01 / 34-35 मिसल सं 21 / 32-33	पुरानी आबादी	535.125 वर्गफुट	नामांतरण

राज.संवाद / सी / 25 / 16489 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामांतरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की गांधीनगर, नाका मदार योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या जे-29 क्षेत्रफल 248.88 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री नरेन्द्र मिश्रा पुत्र स्व. श्री वीरेन्द्र नारायण मिश्रा निवासी जे-29, गांधीनगर,नाकामदार, अजमेर की मृत्यु दिनांक 12.01.2020 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों में क्रमशः (1) सुधा मिश्रा पत्नि स्व. श्री नरेन्द्र मिश्रा (2) तरूण मिश्रा पुत्र स्व. श्री नरेन्द्र मिश्रा (3) तुषार मिश्रा पुत्र स्व. श्री नरेन्द्र मिश्रा निवासी (समस्त तीनों) जे-29, गांधीनगर,नाकामदार,अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामांतरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामांतरण की कार्यवाही की जा सकेगी। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांकः न.नि.अ/भवन /25-26/579 आपत्ति सूचना दिनांक-24/12/2025

श्रीमती अयोध्या देवी पत्नी स्व. श्री बछराज कुमरावत, श्री सुनील कुमरावत पुत्र स्व. श्री बछराज कुमरावत, श्री अनिल कुमरावत पुत्र स्व. श्री बछराज कुमरावत श्री राजेश कुमरावत पुत्र स्व. श्री बछराज कुमरावत निवासीगण 37/15 हीरा भवन पुरानी मण्डी अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 15/463 नया 23/320 4/30 है जो वाके सिनेमा रोड स्टेशन रोड अजमेर जिसका क्षेत्रफल 46.08 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व-श्री सीताराम मोदानी की निवास सम्पति — उत्तर - रास्ता आम 17 फुट चौड़ा
पश्चिम - श्री बी.एन.शर्मा की निवास सम्पति — दक्षिण - श्री माणक माहेश्वरी व लखन माहेश्वरी की सम्पतियां

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान
टैलीफोन नम्बर- 01452-773025 सदर बाजार बड़ी घाट के पास पुष्कर ई-मेल- np.pushkar.nagarpalika@gmail.com
क्रमांक- न.पा.पु./भूमि/2025/451 उजरदारी सूचना दिनांकः 11-12-25

निम्न आवेदक ने अपनी खरीदशुदा/पट्टाशुदा सम्पत्ति के नामान्तरण स्वीकृति हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है, जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर ठोस सबूत मय दस्तावेज के आधार पर नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम	स्थान	क्षेत्रफल	चतुर्थ सीमा	
1	श्रीमति कोमल देवी नागपाल पत्नि श्री बंशीलाल नन्दवानी	प्लाट नं. 45 आई.डी.एस.एम.टी. कॉलोनी के पास बुढा पुष्कर बाईपास लिंक रोड पुष्कर	216.66 वर्ग गज	पूर्व-प्लाट नं. 50 पश्चिम-रास्ता	उत्तर- प्लाट नं. 44 दक्षिण- प्लाट नं. 46

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान
टैलीफोन नम्बर- 01452-773025 सदर बाजार बड़ी घाट के पास पुष्कर ई-मेल- np.pushkar.nagarpalika@gmail.com
क्रमांक- न.पा.पु./भूमि/2025/448 उजरदारी सूचना दिनांकः 11-12-25

निम्न आवेदक ने अपनी खरीदशुदा/पट्टाशुदा सम्पत्ति के नामान्तरण स्वीकृति हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है, जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर ठोस सबूत मय दस्तावेज के आधार पर नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम	स्थान	क्षेत्रफल	चतुर्थ सीमा	
1	श्री देवीलाल पुत्र श्री पुनाराम	प्लाट नं. 13 का 1/2 भाग विनायक नगर सी गनाहेडा पुष्कर	100.00 वर्ग गज	पूर्व- रोड पश्चिम-प्लाट नं. 17	उत्तर-प्लाट नं. 16 दक्षिण- प्लाट नं. 18

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान
टैलीफोन नम्बर- 01452-773025 सदर बाजार बड़ी घाट के पास पुष्कर ई-मेल- np.pushkar.nagarpalika@gmail.com
क्रमांक- न.पा.पु./भूमि/2025/492 उजरदारी सूचना दिनांकः 24-12-25

निम्न आवेदक ने अपनी खरीदशुदा/पट्टाशुदा सम्पत्ति के नामान्तरण स्वीकृति हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है, जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर ठोस सबूत मय दस्तावेज के आधार पर नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम	स्थान	क्षेत्रफल	चतुर्थ सीमा	
1	पवन कुमार वैष्णव पुत्र द्वारकाप्रसाद	प्लाट नं. 13 हेलोज रोड पुष्कर	352.67 वर्ग गज	पूर्व- नगर पालिका भूमि पश्चिम- सड़क	उत्तर-प्लाट नं. 12 दक्षिण- प्लाट नं. 14

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

अरावली पर्वतमाला से छेड़छाड़ पर जनआक्रोश

मसूदा,(निसं)। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण हेतु नीतिगत हस्तक्षेप एवं 100 मीटर ऊँचाई संबंधी व्याख्या पर पुनर्विचार के संबंध में राष्ट्रपति के नाम मसूदा उपखंड अधिकारी दीपशिखा कालवी को एक लिखित ज्ञापन सौपा जिसमें बताया कि भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमाला अरावली, जो लगभग 2.5 अरब वर्ष पुरानी मानी जाती है. आज अपने अस्तित्व की सबसे गंभीर लड़ाई लड़ रही है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के आधार पर 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को 'पहाड़ न मानने की प्रशासनिक प्रवृत्ति सामने आई है, जिसके कारण अरावली का विशाल भूभाग कानूनी संरक्षण से बाहर होने की कगार पर खड़ा है। यह केवल परिभाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और सम्पूर्ण उत्तर भारत के पर्यावरणीय भविष्य का प्रश्न है। और ज्ञापन में बताया कि अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई लगभग 882 किलोमीटर है. जिसमें से लगभग 550 किलोमीटर (करीब 80%) राजस्थान में स्थित है। यह पर्वतमाला राजस्थान के 15 जिलों से होकर गुजरती है और राज्य की लाइफलाइन मानी जाती है। यही अरावली उत्तर-पश्चिम भारत को रेगिस्तान बनने से रोकने वाली प्राकृतिक दीवार है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की आंतरिक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में अरावली क्षेत्र की 12,081 पहाड़ियों 20 मीटर से अधिक ऊँचाई की हैं, जिनमें से केवल 1,048 पहाड़ियों (लगभग 8.7 प्रतिशत) ही 100 मीटर से अधिक ऊँचाई की है। इसका सीधा अर्थ यह है कि नई व्याख्या लागू होने पर अरावली की लगभग 70 प्रतिशत पहाड़ियी संरक्षण से बाहर हो जाएँगी और खनन रियल एस्टेट व निजी परियोजनाओं के लिए खोल दी जाएँगी। यह स्थिति एक भयावह पारिस्थितिकीय आपदा का संकेत है।

- राष्ट्रपति के नाम उपखंड अधिकारी दीपशिखा कालवी को सौंपा गया ज्ञापन

अरावली की चट्टानी संरबना वर्षा जल को रोककर उसे जमीन में समाहित करने की अद्भुत क्षमता रखती है, जिससे प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष लगभग 20 लाख लीटर भूजल का पुनर्भरण होता है। पहले से ही जल संकट झेल रहे पश्चिमी राजस्थान के लिए अरावली का कमजोर होना सूखे को स्थायी बना देने जैसा होगा। विशेषज्ञों का मत है कि यदि अरायली न होती, तो पश्चिमी, मध्य और दक्षिण भारत का बड़ा भूभाग कब का रेगिस्तान बन चुका होता।यह पर्वतमाला केवल भू-आकृतिक संरचना नहीं है, बल्कि 300 प्रकार से अधिक वन्य जीवों और पक्षियों का आवास, लाखों पशुपालकों के लिए चारागाह, तथा बनास, लूणी, साबरमती, बाणगंगा जैसी नदियों का उद्गम स्थल है। यह मानसूनी हवाओं को रोककर वर्षा में सहायक होती है, लू की तीव्रता कम करती है ।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in फोन नं. 01586-220022
munibkcity@gmail.com 01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु. / 2025-26 / 5995 लोक सूचना दिनांक :- 23.12.2025

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्री किशनलाल पुत्र पन्नाराम जाति मेघवाल	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना-कुचामन	कुचामन सिटी	3394/2844	0.4045 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 23.12.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

वह अपने खेल के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं और चीजों में काफी बदलाव करना पसंद करते हैं। लेकिन अगर मुझे उसे कोई सलाह देनी हो तो वह यही होगी कि चीजों को जितना हो सके उतना सरल बनाए रखें। – रिकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, कैमरून ग्रीन को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

सूर्यवंशी लिस्ट ए में भारत के सबसे दूसरा तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाज तो बने ही, लेकिन इससे बड़ी बात यह रही कि वह लिस्ट (ए) क्रिकेट के इतिहास के करीब 62 साल के इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। वैभव ने यह कारनामा सबसे कम उम्र में भी किया। इससे पहले यह कारनामा एबीडी विलियर्स के नाम पर था। एबीडी विलियर्स ने 64 गेंदों पर 150 रन की पारी खेली थी। एबी ने यह कारनामा साल 2015 के विश्व कप में विंडीज के खिलाफ खेले गए मैच में किया था।

क्या आप जानते हैं ?... साउथ अफ्रीका के सबसे खतरनाक गेंदबाजों मेंडेल स्टेन, शॉन पोलक, कगिसो रबाडा और एलन डोनाल्ड जैसे नाम शामिल हैं।

जापानी गोल्फ के दिग्गज जंबो ओजाकी का निधन

टोक्यो, 24 दिसंबर। जापान के सबसे सफल प्रोफेशनल गोल्फर, मसाशी जंबो ओज़ाकी का 78 साल की उम्र में निधन हो गया है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, टी से लंबी दूरी तक शॉट मारने की वजह से जंबो नाम से मशहूर ओज़ाकी ने जापान टूर पर 94 बार जीत हासिल की और देश की ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12 बार टॉप पर रहे। वह लगभग 200 हफ़्तों तक गोल्फ की रैंकिंग में टॉप 10 में रहे और 2011 में उन्हें वर्ल्ड गोल्फ हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया था। वर्ल्ड गोल्फ हॉल ऑफ़ फ़ेम की वेबसाइट पर उनकी प्रोफ़ाइल में कहा गया है, "हालांकि जापान में गोल्फ लंबे समय से लोकप्रिय रहा है, लेकिन ओज़ाकी ही थे जिन्होंने इस खेल में नई जान फूंकी और उनके आने से देश में इस खेल में अभूतपूर्व विकास हुआ।" ओज़ाकी गोल्फ में आने से पहले एक प्रोफेशनल बेसबॉल खिलाड़ी थे और उन्होंने 1973 में 26 साल की उम्र में अपना पहला टूर्नामेंट जीता था, जबकि उनका आखिरी टूर्नामेंट तब था जब वह 55 साल के थे। उन्होंने द ओपन, मास्टर्स और यूएस ओपन में टॉप 10 में जगह बनाई थी और जब वह जापान से बाहर खेलते थे तो अपने साथ एक सुशी शेफ ले जाते थे "ताकि वह और उनके साथ के लोग अपने देश से बाहर भी घर जैसा महसूस कर सकें"। ओज़ाकी ने सिंगिंग में भी हाथ आजमाया और 1980 के दशक के आखिर में जापानी चार्ट में उनके तीन सिंगल गाने थे। जापान गोल्फ टूर ऑर्गनाइजेशन (जेजीटीओ) की वेबसाइट पर एक बयान में कहा गया है कि ओज़ाकी के बेटे टोमोहारू ने घोषणा की है कि उनके पिता का निधन हो गया है, जिन्हें लगभग एक साल पहले कोलन कैंसर का पता चला था। जेजीटीओ के चेयरमैन युटाका मोरोहोशी ने कहा, "गोल्फ की दुनिया ने एक सच में महान इंसान को खो दिया है।उन्होंने लंबे समय तक पुरुषों की प्रोफेशनल गोल्फ की दुनिया को संभाला और अपनी बेजोड़ ताकत से दूसरों को पीछे छोड़ दिया।"

एसएमएस स्टेडियम पर रोहित का आतिशी शतक

अंडर-19 विजय मर्चेंट ट्रॉफी राजस्थान-छत्तीसगढ़ मैच : राजस्थान को पहली पारी में बढ़त

आरसीए अंडर-14 ट्रॉफी : क्वार्टरफाइनल में जयपुर, जोधपुर, धौलपुर, सीकर जीती, मचूर शर्मा की शतकीय पारी

जयपुर 24 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडीएम पर आज खेले गए मुंबई-सिक्किम मैच में विश्वकप विजेता भारतीय टीम के पूर्व कप्तान व देश – विदेश में हिट मैन नाम से रोहित शर्मा के सवाई मान सिंह स्टेडियम में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी को देखने आये मौजुद हजारो प्रसंसकों की उपस्तिथिमें शानदार आतिशी शतक की सहायता से मुंबई ने सिक्किम को हराया।

आरसीए एडहॉक कमेटी के निर्देशानुसार जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम सहित अन्य मैदानो पर आरसीए की मेजबानी में आयोजित हो रही बीसीसीआई विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी के मैचों के सफल आयोजन व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडियों के झलक व उनके खेल को देखने आने वाले हजारों खेल प्रशंसकों के मैच देखने की निशुल्क व्यवस्था, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया। सवाई मान सिंह स्टेडीएम मुंबई- सिक्किम मैच (मुंबई जीती), सिक्किम पारी 236/ 7, मुंबई पारी 237 /2, रोहित शर्मा 155 रन (94 गेंद, 18 चोक्के, 9 छक्के)

अनंतं ग्राउडं महाराष्ट्र-पंजाब मैच (पंजाब जीती), पंजाब पारी 347 /6, महाराष्ट्र पारी 296 / 8, 3) के एल सैनी हिमाचल-उत्तराखंड मैच) हिमाचल जीती, हिमाचल पारी 259 आल आउट, उत्तराखंड पारी 164 आल आउट।

जैपुरिया ग्राउंड गोवा-छत्तीसगढ़ मैच (गोवा पारी), छत्तीसगढ़ पारी 233 आल आउट, गोवा पारी 234 / 4

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (राजस्थान-उत्तरप्रदेश मैच) पहला दिन, उत्तरप्रदेश पहली पारी 90 / 2, राजस्थान के गेंदबाज प्रखर शर्मा 26 / 2 विकेट।

अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी राजस्थान – छत्तीसगढ़ मैच (दूसरे दिन राजस्थान को पहली पारी में बढ़त), छत्तीसगढ़ पहली पारी 192 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 211 आल आउट, टीम के लिए अनुराग लखन 67, रोहन चौधरी 47, यश शर्मा 41 व गौरव 26 रन, छत्तीसगढ़ के गेंदबाज यथार्थ 33 / 3 विकेट, छत्तीसगढ़ दूसरी पारी 39 / 2 विकेट।

आरसीए अंडर 14 ट्रॉफी (क्वाटरफाइनल में जयपुर, जोधपुर, धौलपुर, सीकर जीते) मयूर शर्मा का शतक।

जयपुर-नागौर मैच (जयपुर जीती), नागौर पारी 215 / 9, टीम के लिए कार्तिक जावा 84 रन, जयपुर के गेंदबाज अभिषेक बालोत 59 / 2 विकेट, जयपुर पारी 216 / 4, टीम के लिए आदित्य यादव 84, मनवीर सरावगी 54 रन।

अजमेर-धौलपुर (धौलपुर जीती), अजमेर पारी 147 आल आउट, टीम के लिए हेमेश 32 रन, धौलपुर के गेंदबाज पंकज 30 / 3, आयुष 20 / 2, धौलपुर पारी 148 / 6, टीम के लिए समर प्रताप, प्रीत 29-29 रन, अजमेर के गेंदबाज किरीट जोशी 25 / 3 विकेट।

अलवर – जोधपुर मैच (जोधपुर जीती), अलवर पारी 175 आल आउट, टीम के लिए कुश बामनावट 38 रन, जोधपुर के गेंदबाज कुलदीप बिशनोई 34 / 4, तनिष्क 34 / 3 विकेट, जोधपुर पारी 176 / 4, टीम के लिए जसराज सोनी 51, युवराज प्रजापत 50 रन, अलवर के गेंदबाज सूरज सैनी 21 / 2 विकेट।

हनुमानगढ़- सीकर मैच (सीकर जीती), हनुमानगढ़ पारी 203 / 9, विशेष 75 रननसीकर के गेंदबाज काव्यम चौधरी 47 / 3 विकेट, सीकर पारी 204 / 0, टीम के लिए मयूर शर्मा नाबाद 102, मुकुल कौशिक नाबाद 80 रन।

उन्नित, तन्वी, रौनक चौहान ने शानदार अंदाज में अभियान शुरू किया

विजयवाड़ा, 24 दिसंबर। महिला वर्ग की टॉप सीड उन्नित हुड्डा, वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, अनुभवी आकर्षी कश्यप और उभरती हुई जूनियर रौनक चौहान ने बुधवार को विजयवाड़ा में 87वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई। पहले राउंड में बाई पाने वाली उन्नित ने वाइल्डकार्ड एंट्री आकांक्षा मत्ते को 21-8, 21-18 से हराया, जबकि तन्वी ने एशियन अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड मेडलिस्ट शायना मणमुथु को 21-10, 21-14 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। अगले राउंड में पहुंचने वालों में अनुभवी आकर्षी भी शामिल हैं, जिन्होंने एशियन अंडर-17 चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट लक्ष्या राजेश को 21-7, 21-9 से हराया, जबकि अश्मिता चालिहा ने काव्या मारवानिया को 21-7, 21-11 से हराया। 16वीं सीड पूर्वा बर्वे एकमात्र सीडेड खिलाड़ी थीं जिन्हें हार का सामना करना पड़ा, वह राउंड ऑफ 64 में एम मेघना रेड्डी से 21-19, 17-21, 18-21 से हार गईं। पुरुष सिंगल्स इवेंट में, 11वीं सीड चौहान ने रणवीर सिंह को 21-9, 21-13 से हराया, जबकि 12वीं सीड डी एस सानीथ ने अंकित मंडल को 21-7, 21-11 से हराकर अगले राउंड में अपनी जगह पक्की की। 16वीं सीड और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 चैंपियन संस्कार सारस्वत ने भी शिखर रल्लन को 21-11, 21-13 से हराकर शानदार अंदाज में अपने अभियान की शुरुआत की।

पूरन की तूफानी पारी से एमआई एमिरेट्स ने प्लेऑफ में जगह पक्की की

अबू धाबी, 24 दिसंबर। एमआई एमिरेट्स ने अबू धाबी में गल्फ जायंट्स को आसानी से हराकर आईएलटी20 के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। सामूहिक गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद निकोलस पूरन (69) और मुहम्मद वसीम (59) की तीसरे विकेट के लिए नाबाद 140 रन की साझेदारी एमआई एमिरेट्स की जीत में अहम रही। इस बीच, जायंट्स का खराब प्रदर्शन जारी है, उन्होंने अपने पिछले सात में से छह मैच गंवा दिए हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें अबू धाबी नाइट राइडर्स को हराना होगा।

जब जायंट्स पहले बल्लेबाजी करने उतरे, तो रहमानुल्लाह गुरबाज ने एक बड़े छक्के और चौके के साथ शुरुआत की, लेकिन वह क्रीज पर ज़्यादा देर नहीं टिक पाए और तीसरे ओवर में फजलहक फारूकी ने उन्हें आउट कर दिया। इसी बीच, जायंट्स ने कप्तान जेम्स विंस को भी रोमारियो शेफर्ड के हाथों गंवा दिया और वे 16 रन पर 2 विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गए। दो से तीन विकेट हो गए, जब आसिफ खान, जिन्होंने एक छक्के और एक चौके के साथ जवाबी हमला करने की झलक दिखाई थी, शेफर्ड का शिकार हो गए और जायंट्स ने पावरप्ले में 36 रन पर 3 विकेट गंवा दिए।

यही हाल लोर्कन टकर का भी रहा, जिन्होंने दो चौके लगाने के बाद अरब गुल मोमंद के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। नियमित विकेट गिरने का मतलब यह भी था कि जायंट्स बीच के ओवरों में खुलकर नहीं खेल पाए और 7वें से 15वें ओवर के बीच सिर्फ 55 रन बना पाए।

इसके बाद मोईन अली और काइल मेयर्स ने आखिरी पांच ओवरों में एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजों पर हमला बोला। दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने एएम गजनफर के ओवर में 15 रन बनाए और फिर शेफर्ड को दो चौके और एक छक्का जड़ा। मोईन ने 45 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया – एक धीमी पारी, लेकिन जिसने जायंट्स को 141 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। गेंदबाजी में, जायंट्स ने शुरुआत से ही अच्छी गेंदबाजी की।

टाटा ओपन में होगी 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि

जमशेदपुर, 24 दिसंबर। टाटा स्टील ग्रुप और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने टाटा ओपन गोल्फ टूर्नामेंट की घोषणा की है जो 25 से 28 दिसंबर, 2025 तक जमशेदपुर में आयोजित किया जाएगा। यह चार दिवसीय टूर्नामेंट जमशेदपुर के बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स में आयोजित किया जाएगा।

इस इवेंट में 2 करोड़ रुपये का प्राइज पर्स है और यह 2025 पीजीटीआई सीजन का आखिरी चरण है। इस टूर्नामेंट में 126 प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह इवेंट स्ट्रोक-प्ले फॉर्मेट में खेला जाएगा जिसमें 18 होल के चार राउंड होंगे। टॉप 50 खिलाड़ी और टाई वाले खिलाड़ी दो राउंड के बाद कट में जगह बनाएंगे। टाटा ओपन दुनिया के उन दुर्लभ इवेंट्स में से एक है जो दो जगहों पर खेला जाता है। इवेंट का फॉर्मेट इस प्रकार है: पहले राउंड में, आधे खिलाड़ी बेल्डीह गोल्फ क्लब में अपने 18 होल खेलेंगे।

जबकि दूसरे आधे खिलाड़ी गोलमुरी गोल्फ क्लब में अपने 18 होल खेलेंगे। दूसरे राउंड में, दोनों आधे खिलाड़ी जगह बदल लेंगे (जिन्होंने पहले राउंड में बेल्डीह में खेला था, वे दूसरे राउंड में गोलमुरी में अग्ररह होल खेलेंगे और इसके विपरीत)। तीसरे और चौथे राउंड में, कट लागू होने के बाद, लीडिंग ग्रुप गोलमुरी से टी ऑफ करेंगे और बेल्डीह जाने से पहले गोलमुरी में अपने पहले नौ होल खेलेंगे और फिर बेल्डीह में अपने दूसरे नौ होल खेलेंगे। इस टूर्नामेंट में कुछ टॉप भारतीय प्रोफेशनल खिलाड़ी जैसे 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन युवराज संधू, 2024 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन वीर अहलावत, शौर्य भट्टाचार्य, अर्जुन प्रसाद, मनु गंडास, अंगद चीमा, ओम प्रकाश चौहान (पूर्व चैंपियन), अजीतेश संधू, राशिद खान, खलिन जोशी और चिक्करंगप्पा, हिस्सा लेंगे" इस फील्ड के टॉप विदेशी खिलाड़ी हैं श्रीलंका के एन थंगाराजा और मिथुन परेरा (पूर्व चैंपियन), बांग्लादेश के एमडी सिद्दीकुर रहमान और जमाल हुसैन, चेक गणराज्य के स्टेपन डेनेक, अमेरिकी कोइचिरो सातो, नेपाल के सुभाष तमांग और युगांडा के जोशुआ सील।

भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में 30 दिसम्बर तक राजनादगांव छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली 9 वीं फेडरेशन कप वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम रराजनादगांव के लिए रवाना हो गई। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ ने टीम की घोषणा की।

ड्रीम 11 के बाहर होने और आईसीसी राजस्व में गिरावट के बावजूद बीसीसीआई आर्थिक रूप से मजबूत

मुंबई, 24 दिसंबर। ड्रीम11 द्वारा स्पॉन्सरशिप वापस लेने और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के शेयर में कमी के बावजूद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी रही। एपेक्स काउंसिल को सौंपे गए एक नोट के अनुसार, बीसीसीआई ने एडिडास के साथ एक अलग स्पॉन्सरशिप डील के जरिए कमी पूरी की है। बाद में इसने अपोलो टायर्स के साथ भी करार किया। क्रिकबज़ द्वारा देखे गए नोट में कहा गया है, "ड्रीम11 और हाल के कानूनी बदलावों से प्रभावित अन्य संस्थाओं जैसे स्पॉन्सर के हटने के बावजूद, बीसीसीआई ने सफलतापूर्वक अगले ढाई साल के लिए ज़्यादा वैल्यूएशन पर एक नई जर्सी स्पॉन्सरशिप हासिल की है।" जिसने रियल-मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो ड्रीम11 का मुख्य व्यवसाय था। पूर्व कोषाध्यक्ष और वर्तमान संयुक्त सचिव प्रभातेज सिंह भाटिया ने सितंबर में वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए मसौदा बजट के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2024-2025 के ऑडिट किए गए खाते प्रस्तुत किए थे।

तीरंदाजी में 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता

जयपुर, 24 दिसंबर। 45वी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता जो कि रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई उसमें राजस्थान ने 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रांजल ठोलिया ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडल, आदित्य जावा ने व्यक्तिगत सिल्वर मेडल, अर्थव शर्मा ने व्यक्तिगत ब्रॉन्ज़ मेडल तथा रिकर्व महिला टीम ने गोल्ड मेडल जीता। टीम में प्रांजल ठोलिया, कल्पना रेगर, खुशबू जावा, खुशी कुमावत और राजस्थान टीम कोच हरदीप सिंह राजपूत के नेतृत्व में राजस्थान रिकर्व टीम ने अपना अच्छा प्रदर्शन किया। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह एवं महासचिव सुरेंद्र गुर्जर व सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

जयपुर के वैभव प्रताप सिंह ने नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में रचा इतिहास

जयपुर, 24 दिसंबर। भोपाल में 11 दिसम्बर से 2 जनवरी तक आयोजित हो रही 68वीं ने शनल शूटिंग चैंपियनशिप में जयपुर के उभरते निशानेबाज वैभव प्रताप सिंह चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वैभव ने 50 मीटर थ्री पोजीशन पुरुष वर्ग तथा 50 मीटर राइफल प्रोन पुरुष वर्ग में भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्कोर हासिल कर विख्यात निशानेबाजों की श्रेणी में अपना नाम दर्ज करा दिया।

यही नहीं, वैभव ने अपने उत्कृष्ट खेल के दम पर भारतीय शूटिंग टीम की चयन ट्रायल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया, जो उनके अंतरराष्ट्रीय मुकाम की ओर बडे कदम का संकेत है। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में देशभर से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और वैभव ने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

पूर्व में भी वैभव ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। देहरादून में सम्पन्न नॉर्थ जोन चैंपियनशिप में 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल यूथ कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर उन्होंने अपनी सफल यात्रा की शुरुआत की थी। इस पदक को उन्होंने भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड को समर्पित करते हुए भविष्य में उनके पदचिन्हों पर चलकर अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने का संकल्प व्यक्त किया।

वैभव की सफलता के पीछे उनके कोच चंदन मलेटी, दादोसा गणपत सिंह चौहान (पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत अजगरा, अजमेर) तथा माता-पिता कुमकुम शक्तावत एवं शक्तिसिंह मानपुरा (पार्षद, नगर निगम ग्रेटर जयपुर) का अमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग रहा। यह उपलब्धि न सिर्फ परिवार और जिले के लिए, बल्कि पूरे राजस्थान और देश के लिए गौरव की बात है। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती-वैभव ने अपने प्रदर्शन से इस पंक्ति को सच कर दिखाया है।

खेल मंत्रालय ने अगली पीढ़ी के खेल पेशेवरों को तैयार करने के लिए व्यापक इंटर्नशिप नीति की शुरुआत की

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। नई नीति के तहत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय डोप-रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला जैसे इसके मुख्य संस्थानों में हर वर्ष 452 इंटर्नशिप प्रदान की जायेंगी। खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा,इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिए, हम अपने युवाओं के लिए खेलों से जुड़े शासन एवं प्रशासन के दरवाजे खोल रहे हैं, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव मिल सके और वे खेल के जरिए राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक असर डाल पायें। 'युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और उसके स्वायत्त निकायों के लिए व्यापक इंटर्नशिप नीति' कॉलेज व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मंत्रालय और उसके स्वायत्त निकायों में सार्थक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेगी, जिससे उन्हें खेलों से जुड़े शासन एवं प्रशासन और संबंधित पेशेवर क्षेत्रों का सीधा अनुभव हासिल हो सकेगा।

सांसद खेल महोत्सव का समापन आज

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे वर्चुअल संबोदित

एसएमएस के इनडोर स्टेडियम में होगा समारोह

ख्यातनाम सिंगर रविन्द्र उपाध्याय देंगे गानों की सुमधुर प्रस्तुतियां

जयपुर, 24 दिसंबर। जयपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का समापन गुरुवार 25 दिसम्बर को प्रात 9.30 बजे एसएमएस इंडोर स्टेडियम पर भव्य समारोह में होगा। इसमे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल सम्बोधित करेंगे। समारोह में ख्यातनाम सिंगर रविन्द्र उपाध्याय अपने बैंड के साथ गानों की सुमधुर प्रस्तुतियां देंगे। विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफ़ी, और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, कैलाश वर्मा, बालमुकुंदाचर्य, विधायक प्रत्याशी चंद्र मोहन बटवारा, रवि नैयर सहित शहर के प्रमुख समाजसेवी और कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडी भी मौजूद रहेंगे। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के दौरान 27 खेलों में शहर के हर गली मोहल्ले, हर कोने से लोगों की भागीदारी रही है।

इसमें राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खेलों के साथ ही खो खो, सतोलिया, रस्साकशी, मटका दौड़, निम्बू चम्मच दौड़, कबड्डी जैसे पारम्परिक खेलों में करीब 80 हजार लोगों ने भाग लिया है। उत्साह, उमंग, रोमांच के इस उत्सव के दौरान 10 से 60 साल तक के हर आयु वर्ग के लोग जिसमें बच्चे, छात्र, महिलाएं, पुरूषो ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

डीपीएल और विमेंस डॉक्टर लीग की ट्रॉफी लॉन्च, 20 टीमों की जर्सी का अनावरण

जयपुर, 24 दिसंबर। जयपुर में डीपीएल के 18वें सीजन का भव्य और ऐतिहासिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीपीएलट्रॉफी के साथ-साथ विमेंस डॉक्टर लीगकी ट्रॉफी को भी औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के दौरान लीग में शामिल सभी 20 टीमों की जर्सी का अनावरण किया गया, जिसने समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम में डॉक्टर्स क्रोनिकल मैगजीन के कवर पेज का भी लोकार्पण किया गया, जिसे डीपीएलके चेयरपर्सन डॉ शिवराज सिंह राठौड़ ने मंच से लॉन्च किया। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए लगभग 700 प्रतिष्ठित डॉक्टर्स की उपस्थिति रही, जिससे यह आयोजन चिकित्सा और खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा थे। इस अवसर पर डीपीएलकी आयोजन समिति के सदस्यों तथा विमेंस डॉक्टर लीग की चेयरपर्सन डॉ रिम्मी शेखावत ने सभी अतिथियों का बुके, स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा इंडिया ग्लैम की मॉडल्स द्वारा प्रस्तुत किया गया भव्य रैंप वॉक, जिसमें सभी टीमों की जर्सी पहनकर मंच पर शानदार प्रस्तुति दी गई।

खेल और फैशन के इस अनोखे संगम ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया और आयोजन को और भी रंगारंग बना दिया। इस भव्य समारोह में जयपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए जाने-माने चिकित्सकों ने भाग लिया और संगीत संध्या का भरपूर आनंद उठाया।

सुभाष ने जीता हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैम्पियनशिप में स्वर्ण

जयपुर, 24 दिसंबर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौधरी ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में ब्वायज अंडर 17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कोच खांगा राम चौधरी ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता हांगकांग में 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजित की गयी। उन्होंने बताया कि सुभाष चौधरी जयपुर की नीरजा मोदी स्कूल 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। इसके फिटनेस कोच अंकित मानावता है और सुभाष ने पहले राउंड में बाई मिली, दूसरे राउंड में हांगकांग के ली हो सोम को 11-6, 11-6, 11-8 से, प्री क्वार्टर में मकाऊ के तम हाऊ इन को 11-0, 11-4, 11-4 से, क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के हा चूं हीन को 11-5, 9-11, 11-6, 11-8, से और सेमी फाइनल में हांगकांग के युएन तज लांग को 11-5, 11-5, 11-2 से तथा फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के रेहान सिंह को 11-4, 11-4, 11-5 से हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

रोहन और धर्मेश के ऑलराउंड प्रर्दशन से जयपुरिया एकेडमी दूसरे राउंड में

जयपुर, 24 दिसंबर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये सिग्नेचर क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये नॉकआउट दौर के पहले राउण्ड के दूसरे मैच में जयपुरिया एकेडमी ने रोहन राजभर 48 रन और 19 रन पर 3 विकेट तथा धर्मेश चन्देल 31 रन व 16 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत बिमल क्रिकेट एकेडमी को 60 रन से हराकर दूसरे राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर जयपुरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रोहन राजभर 48 रन (21 गेंद 6 चौके 3 छक्के), तोषित भाटिया 45 रन, धर्मेश चन्देल 31 रन, दिपांजन भौमिक 17 रन, सयान दास 17 रन नाबाद तथा सावन 13 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 196 रन बनाये। गेंदबाजी में बिमल क्रिकेट एकेडमी की ओर से कुलदीप सिंह 33 रन पर 3 विकेट, विमल ठाकुर 38 रन पर 2 विकेट, अनुराग शर्मा 18 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में बिमल क्रिकेट एकेडमी के केशव शर्मा 25 रन, अंकित मनका 19 रन, वरूण 19 रन, प्रथम मिश्रा 17 रन, विमल ठाकुर 18 रन, कुलदीप सिंह 15 रन नाबाद ने अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया लेकिन जयपुरिया एकेडमी के गेंदबाजों रोहन राजभर 19 रन पर 3 विकेट, धर्मेश चन्देल 16 रन पर 2 विकेट, तोषित भाटिया 25 रन पर 1 विकेट, करने सिंह 29 रन पर 1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष बड़ी पारी खेलने में विफल रहे और पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी और 60 रन से मैच गवाकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रोहन राजभर जयपुरिया एकेडमी रहें।

सरकार का मूल मंत्र है "विरासत के संरक्षण के साथ विकास"- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना के पानी से शेखावाटी की भूमि हरी-भरी होगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को रामगढ़ शेखावाटी में सीकर जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी, नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ मौजूद थे।

सीकर/जयपुर, 24 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास के मूल मंत्र पर संकल्पित होकर कार्य कर रही है। शर्मा बुधवार को सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के

- **शेखावाटी में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झुंझुनूं, सीकर व चूरू की 662 हवेलियों को संरक्षण व पुनरुद्धार के लिए चिह्नित किया गया है। इन ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण व विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।**

उपलक्ष्य पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के उद्यिमयों में समाज सेवा और परोपकारिता की भावना भरी हुई है। इस मिट्टी में जन्म लेने वालों में मातृभूमि की सेवा करने का जुनून भी होता है। यहां के लोग बड़ी संख्या में सेना एवं सशस्त्र बलों में शामिल होकर मां भारती की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी अद्वितीय धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया गया है, जिन्हें पर्यटन हब के रूप में विकसित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इनके संरक्षण और विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने के लिए यमुना जल समझौते की क्रियान्विति की जा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि शेखावाटी को यमुना का भरपूर पानी मिलेगा और शे ाावाटी की यह भूमि हरी-भरी होगी। नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में पानी की आवश्यकता को समझते हुए रामजन सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इससे शेखावाटी के जिलों में यमुना का पानी उपलब्ध हो सकेगा।ष्कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सीकर जिले के लिए 155 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत लाभार्थियों को स्कूटी वितरित की।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विधायक गोरधन, सुभाष मील, हरलाल सहारण, राजेन्द्र भांबू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'डिप्टी सीएम की पोस्ट से खुश हूँ'

नयी दिल्ली, 24 दिसंबर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई विवाद नहीं है और वे उपमुख्यमंत्री बने रहने में संतुष्ट हैं।

शिवकुमार ने यहां कर्नाटक भवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि

- **कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने प्रदेश में किसी भी प्रकार के बदलाव को खारिज किया व कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई विवाद नहीं है।**

कांग्रेस में आंतरिक मतभेदों या कांग्रेस नेतृत्व के साथ बैठकों की बातें केवल अफवाहें हैं, जो मीडिया में फैली हुई हैं।

उन्होंने कहा, "मैं कांग्रेस आलाकमान में किसी से मिलने नहीं आया हूं। मैं उपमुख्यमंत्री बने रहकर खुश हूं। मुझे पार्टी कार्यकर्ता बनना पसंद है।" शिवकुमार ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद पर संभावित बदलाव के बारे में पूछे गये सवालों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी नाम को लेकर अटकलें नहीं लगायी जानी चाहिये और नेतृत्व से संबंधित कोई भी निर्णय पूरी तरह से कांग्रेस पार्टी के हाथ में है। नेतृत्व जो भी फैसला करेगा, उसे स्वीकार किया जाएगा। शिवकुमार ने दोहराया कि दिल्ली की उनकी यात्रा पूरी तरह से प्रशासनिक है, राजनीतिक नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सिंचाई और शहरी विकास सहित, राज्य से संबंधित मुद्दों पर केन्द्रीय मंत्रियों से मिलने के लिये दिल्ली आए थे।

अरावली में खनन के नए पट्टे नहीं दिए जाएंगे

केन्द्र सरकार ने यह फैसला किया और सभी संबंधित राज्य सरकारों को इससे संबंधित दिशा निर्देश दिए

- **केन्द्र सरकार ने यह खनन निषेघ समूचे अरावली क्षेत्र में लगाया जाएगा और इसका मुख्य उद्देश्य अरावली का संरक्षण**
- **वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को निर्देश दिया है पूरे अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए व्यापक वैज्ञानिक योजना बनाई जाए और फिर योजना पर जनता से सुझाव मांगे जाए।**
- **केन्द्र सरकार ने कहा योजना के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाएगी।**

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। केन्द्र सरकार ने अरावली में खनन को लेकर जारी विवाद के बीच खनन के नये पट्टे देने पर रोक लगा दी है।

सरकार ने निर्णय लिया है कि जब तक पूरे अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं की जाती है, तब तक किसी नयी खदान का पट्टा नहीं दिया जाएगा।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुधवार को यहां कहा कि दिल्ली से गुजरात तक फैली संपूर्ण अरावली श्रृंखला को अवैध खनन से बचाने के लिए उसने बड़ा कदम उठाया है, और फैसला लिया है कि अरावली में कोई भी नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा। इस बारे में सभी जरूरी निर्देश सबंधित राज्यों को भी दिये गये हैं। केन्द्र सरकार ने कहा है कि पूरे अरावली क्षेत्र की रक्षा के मकसद से उसने निर्णय लिया है कि अरावली में कोई भी नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा और संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा है कि यह खनन निषेध पूरे अरावली क्षेत्र में समान रूप से लागू होगा। दिशा निर्देशों का उद्देश्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक फैली अरावली श्रृंखला को संरक्षित कर सुरक्षा प्रदान करना है और इस क्षेत्र में होने वाली अनियमित खनन गतिविधियों को पूरी तरह से रोकना है।

अरावली को खनन से बचाने के लिए मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) को संपूर्ण अरावली में पारिस्थितिकी तथा भूवैज्ञानिक स्तर पर अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश देते हुए कहा है कि इस क्षेत्र में खनन निषिद्ध होना चाहिए।

आईसीएफआरई ने पूरे अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए व्यापक वैज्ञानिक प्रबंधन योजना तैयार करने को भी कहा है और जब योजना तैयार हो जाएगी तो इसे सार्वजनिक कर इस पर लोगों के सुझाव मांगे जाएंगे और जो सुझाव आएंगे, उनमें संचयी पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन कर, उसके आधार पर पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाएगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि केन्द्र की यह कवायद स्थानीय स्थलाकृति, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण अरावली में खनन को निषिद्ध करने के लिए है। केन्द्र ने यह भी कहा है कि पहले से ही चल रही खदानों के लिए संबंधित राज्य सरकारें पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगी और उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुरूप काम करेंगी।

उद्धव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तवज्जो न देने की कोशिश की है। पार्टी के नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा, "बेकार का शोर मचाया जा रहा है, मानो पुतिन और ज़ेलेंस्की एक हो गए हों। राज और उद्धव दोनों ही फुस्स हो चुके पटाखे हैं, जिन्हें महाराष्ट्र के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है। यह अवसरवादी गठबंधन कोई असर नहीं डालेगा।"

पड़ोसी देशों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थीं। साफ तौर पर, असमान हैसियत वाले पड़ोसी देशों के बीच ऐसी स्थिति एक सामान्य बात है।

दोनों देशों के बीच पूरी तरह से विश्वास की कमी है और आपसी रिश्तों में बहुत कम सकारात्मकता बची है। कुछ विश्लेषक और विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह आपसी कड़वाहट नियंत्रण से बाहर भी जा सकती है।

इस बात के साफ संकेत हैं कि पाकिस्तानी तत्वों ने समाज के सबसे उग्र चरमपंथी तत्वों पर नियंत्रण कर लिया है। चरम कट्टरपंथी इस्लामी समूह, जो पहले हाशिए पर थे, अब खुद को मुख्यधारा का हिस्सा दिखाने लगे हैं, और यही सबसे बड़ी चिंता की वजह है।

इस पूरी निराशाजनक स्थिति में एकमात्र सकारात्मक बात यह है कि कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास की अमानवीय हत्या की बड़े पैमाने पर आम लोगों ने ज़ोरदार निंदा की है। देश के अलग-अलग नागरिक संगठनों ने कई विरोध मार्च भी निकाले हैं।

हिंसा का अचानक भड़क उठना, बड़े पैमाने पर आगजनी और हमले साफ तौर पर यह दिखाते हैं कि देश में शासन की कमजोरी और गहरी अस्थिरता है। इन अनिश्चित हालात का बांग्लादेशी समाज में कट्टरपंथी तत्वों ने पूरा फायदा उठाया है।

संसद में स्मार्ट गैजेट्स पर रोक

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। संसद की सुरक्षा और गोपनीयता को और पुख्ता करने के लिए लोकसभा सचिवालय ने सांसदों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइज़री जारी की है। बुधवार को जारी एक बुलेटिन के जरिये लोकसभा सचिवालय ने सांसदों से अपील की है कि वे संसद परिसर में स्मार्ट डिवाइस, जैसे स्मार्ट चश्मा, पेन कैमरा और स्मार्ट घड़ी का इस्तेमाल न करें। सचिवालय का कहना है कि ऐसे उपकरणों से सांसदों की निजता को खतरा हो सकता है और संसदीय विशेषाधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है।

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता अपनी मां के साथ राहुल और सोनिया से मिली

नयी दिल्ली, 24 दिसंबर। उन्नाव दुष्कर्म के आरोपी कुलदीप सेंगर की सज़ा निलंबित होने के बाद, पीड़िता ने अपनी मां के साथ बुधवार को यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और अपने लिए सुरक्षा की मांग की।

यह मुलाकात कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर हुई। इस दौरान सोनिया गांधी भी बैठक में मौजूद थीं। पीड़िता ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, "हमने राहुल जी और सोनिया जी से मुलाकात की और उन्हें बताया कि हम किस दौर से गुज़र रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृह मंत्री और राष्ट्रपति से भी मिलना चाहती हूं। मुझे सिर्फ न्याय चाहिये। मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिलने की गुहार लगाई, लेकिन कोई नहीं मिला। वहीं, राहुल भैया का सामने से फोन आया और उन्होंने मुझे मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने मुझे न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है।

कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी के साथ मुलाकात के दौरान, पीड़िता और उसके परिवार ने मुख्य रूप से तीन तरह की सहायता मांगी, जिसमें सुरक्षा के साथ-साथ अपने मामले की पैरवी के लिये किसी वरिष्ठ वकील की सेवा और परिवार को किसी कांग्रेस शासित राज्य में स्थानांतरित होने में मदद की मांग शामिल है। पीड़िता का कहना है कि उसे और उसके परिवार के सदस्यों को उत्तर प्रदेश में हत्या किए जाने का डर है और वे अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हैं।

'मैं दिल्ली में दो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचाना होगा। मैं अक्सर देखता हूं कि मुसलमान क्या करते हैं, चाय और पंचर की दुकानें चलाते हैं, शिक्षा की कमी है और जनसंख्या बहुत ज्यादा है।"

गडकरी ने कहा कि देश में "हिंदू-मुस्लिम मुद्दे" कांग्रेस की वोट बैंक राजनीति का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब "सभी के लिए न्याय" है, लेकिन वोट बैंक राजनीति के लिए लायी गई नीतियों ने इस समस्या को जन्म दिया। उन्होंने कहा, "हमारी संस्कृति सांप्रदायिक और जातिवादी नहीं है। हिंदुत्व उदार और सहिष्णु है।" पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा व्यक्त किये गये विचारों को दोहराते हुए उन्होंने कहा, "भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। यह धर्मनिरपेक्ष था और धर्मनिरपेक्ष रहेगा। "ऐसा भाजपा या संघ के कारण नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, हिंदू संस्कृति और सनातन संस्कृति के कारण है, जो हमें पूरी दुनिया के कल्याण की कामना करना सिखाती है।"

दिल्ली में भाजपा सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर काबू पाने में नाकाम रहने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इन्डैक्स -एक्यूआई) कई सप्ताह से 'बहुत खराब' और 'गंभीर' श्रेणियों में बना हुआ है।

कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने गडकरी की टिप्पणियों का इस्तेमाल दिल्ली सरकार और केन्द्र, पर दोनों पर हमला करने के लिए किया, क्योंकि दोनों ही जगह भाजपा सत्ता में है। उन्होंने कहा, "गडकरी ने कम से कम यह स्वीकार करने का साहस दिखाया। जब आप सभी समाधान दे रहे हैं, तो कृपया इसके लिए भी कोई समाधान सुझाएं। मुझे नहीं लगता कि वाहन ही प्रदूषण का एकमात्र स्रोत हैं। वाहन तो दिल्ली के बाहर भी चलते हैं।"

सरकार ने किया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त 2022 में इस मंदिर में हुई एक भगदड़ में दो लोग मर गए थे, तीन साल बाद भी मंदिर में न तो उचित निकासी मार्ग हैं, न भीड़ नियंत्रण के उपाय और न ही सुरक्षा इंतजाम। यह मंदिर 1,200 वर्ग फीट में फैला है और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के समय 5 लाख तक श्रद्धालु यहाँ आते हैं। आप खुद सोच सकते हैं कि इससे क्या परिणाम हो सकते हैं।

एक मंदिर, जिसकी 300 करोड़ रूपए की संपत्ति है, को सुप्रीम कोर्ट के आदेश और तीन साल की कानूनी लड़ाई की जरूरत क्यों पड़ी। तथा सही निकासी बनाने से पहले ये मौतें क्यों हुईं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मंदिर के 300 करोड़ रूपए के कोष का उपयोग करते हुए, मंदिर के चारों ओर 5 एकड़ ज़मीन खरीदने और एक सुरक्षा गलियारा बनाने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसे अस्वीकार कर दिया था और कहा था कि मंदिर पर कानूनी अधिकार किसका है, क्योंकि मंदिर को पीढ़ियों से चलाने वाले गोस्वामी सेवायतों के बीच इस बारे में मुकदमा लंबित हैं। यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा मई 2025 में, कोर्ट ने कहा, ठीक है, मंदिर के फंड का उपयोग करें, लेकिन एक शर्त है: ज़मीन की रजिस्ट्री भगवान के नाम पर होनी चाहिए, न कि सरकार के नाम पर। यह शर्त बहुत कुछ बयान कर देती है। कोर्ट को राज्य पर भरोसा नहीं था कि वह ईमानदारी से काम करेगा, लेकिन कोर्ट को मौजूदा प्रबंधन पर उससे भी कम विश्वास था। सरकार ने त्वरित कदम उठाए। 26 मई 2025 को उत्तर प्रदेश ने एक अध्यादेश जारी करके मंदिर पर नियंत्रण लिया और एक नया ट्रस्ट बनाया। आलोचकों ने इसे सरकार का हस्तक्षेप बताया। फिर सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में उस अध्यादेश पर रोक लगा दी, तथा सरकार की जल्दबाजी पर सवाल खड़े किये। राज्य ने फिर से इसे पूर्व अधिनियम के रूप में विधानमंडल से पारित कराकर इस महीने अधिसूचित कर दिया। बांके बिहारी संकट अकेला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से मथुरा में "रिसीवर राज" का मुद्दा सामने आया। मथुरा में फिलहाल 197 मंदिर कानूनी विवादों में फंसे हुए हैं। इनमें से बहुत से मंदिरों का प्रबंधन कोर्ट द्वारा नियुक्त किए गए रिसीवर्स द्वारा किया जा रहा है, जो दरअसल एक पक्ष के वकील होते हैं। उन्हें मंदिर का प्रबंधन करने के लिए वेतन मिलता है और वे भुगतान पाते रहने की खातिर, संबंधित केसों को कोर्ट में लटकाये रहते हैं।

सिद्धार्थ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) ने इसी आदेश में ओमप्रकाश बैरवा का कॉलेज शिक्षा आयुक्त से राज्य विद्युत नियामक आयोग में सचिव के पद पर किया गया तबादला रद्द कर दिया है। बैरवा, फिलहाल कॉलेज शिक्षा आयुक्त ही रहेंगे।

लोकसभा में 22 भाषाओं में अनुवाद सेवा शुरु

नयी दिल्ली, 24 दिसंबर। भारत की विविध संस्कृति और भाषाओं का सम्मान करने के लिए 18वीं लोकसभा का हाल ही में संपन्न हुआ शीतकालीन सत्र बहुत खास रहा, जिसमें सांसदों ने संविधान की अनुसूची आठ में डाली गयीं 22 भाषाओं में समानांतर अनुवाद सेवा का इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पहल के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और सदस्यों को बधाई दी है। लोक सभा सचिवालय की ओर से उपलब्ध करायी गयी जानकारी के अनुसार, संबोधनों के समानान्तर भाषान्तर की इस सेवा के तहत सांसद अपनी भाषा में बोल सकते हैं और बाकी लोग उसे अपनी पसंद की भाषा में सुन सकते हैं। यह सेवा बिड़ला ने 19 अगस्त को शुरू की थी। मोदी ने इस पहल की बहुत सराहना की है और कहा है कि यह भारत की बहुभाषी विरासत को मनाने का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाओं और संस्कृतियों की विविधता हमारी ताकत है। प्रधानमंत्री ने सांसदों और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को इस काम के लिए बधाई दी है और कहा है कि अब सांसद अपनी मातृभाषा में भाषण दे सकते हैं।

राहुल-प्रियंका-सचिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दावेदार के रूप में पेश किए जाएंगे। इस बात पर पूर्ण सहमति है कि उनका संगठन महासचिव के रूप में कार्यकाल समाप्त हो चुका है। अब बड़ा सवाल यह है कि केसीवी के स्थान पर अगला संगठन महासचिव कौन होगा।

कांग्रेस एक बड़े बदलाव से गुजर रही है, जिसमें प्रियंका गांधी के लिए एक महत्वपूर्ण और बड़ा रोल सामने आ सकता है। एक अंतरंग सूत्र ने कहा, ग्रह गोचर पर भरोसा रखने वाली इस पार्टी में 14 जनवरी से पहले कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। 14 जनवरी के बाद मलमास की अशुभ अवधि समाप्त हो जाएगी और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से ग्रहों की स्थिति अनुकूल हो जाएगी। जाहिर है, प्रियंका गांधी को एआईसीसी के चुनाव प्रबंधन विभाग का प्रमुख नियुक्त करने का पत्र सप्ताहों से तैयार पड़ा है। यह देखना होगा कि क्या वह पत्र अब रद्द कर दिया जाएगा और प्रियंका को कोई नया कार्यभार सौंपा जाएगा।

विस्तार से देखा जाए तो वेणुगोपाल की जगह लेने के लिए कई दावेदार हैं। पार्टी के नेताओं का एक शक्तिशाली समूह, जिसे "जय जगत ग्रुपीज" कहा जाता है, की नज़र इस प्रतिष्ठित पद पर है। यह समूह उन नेताओं का है, जिनकी सोच वामपंथी और सामाजिक न्याय पर आधारित है। इसमें शशिकांत सेन्थिल, सचिन राव, मीनाक्षी नटराजन, कृष्णा अल्लावेरू और भंवर जितेन्द्र सिंह जैसे नेता शामिल हैं, जो सभी राज्यसभा का सदस्य बनने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, अधिकांश पारंपरिक कांग्रेस नेताओं को इस गुट का ऊपर उठना पसंद नहीं है, जिसके कारण अशोक गहलोत, अजय माकन और दिग्विजय सिंह जैसे अति वरिष्ठ नेता भी इस पद के लिए अपना नाम सामने ला रहे हैं। हालांकि, गहलोत या दिग्विजय का संगठन महासचिव बनना संभावना से परे है, खासकर भाजपा द्वारा 45 वर्षीय नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद। कांग्रेस नेतृत्व, यानी राहुल, सोनिया, प्रियंका और एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे पर दबाव है कि संगठन महासचिव किसी युवा नेता को बनाए।

इस आंतरिक उथल-पुथल के कारण, अब सचिन पायलट के नाम पर जोर दिया जा रहा है, जो वर्तमान में एआईसीसी के महासचिव हैं और छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पर पायलट के दृष्टिकोण में, राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष पद सबसे महत्वपूर्ण है, जिस पर वर्तमान अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जुलाई 2020 से अब तक मौजूद हैं और इस पद पर उन्हें पांच साल और छह महीने हो चुके है। सूत्रों का कहना है कि यदि गांधी परिवार पायलट को संगठन महासचिव पद लेने के लिए कहता है, तो उनके पास इसे स्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होगा। पार्टी में पायलट की विभिन्न क्षेत्रीय, जाति और लैंगिक विचारों के बीच व्यापक लोकप्रियता को देखते हुए, उनका जीएसओ के रूप में प्रमोशन एआईसीसी सचिवालय में कुछ नयापन और ताजगी ला सकता है।

जाने-माने स्तम्भकार तथा कांग्रेस के करीबी राशिद किदवई लिखते है कि पायलट का प्रियंका गांधी से भी करीबी संबंध है। पार्टी के एक बडे हिस्से का मानना है कि राहुल, प्रियंका और सचिन पायलट की तिकड़ी 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

किदवई का प्रियंका के बारे में हमेशा यही कहना रहा है कि वे अपने बड़े भाई की मदद के लिए कुछ भी करेंगी। उनका पूरा राजनीतिक एजेंडा राहुल को सफल बनाने के इर्द-गिर्द घूमता है। दरअसल, वे हमेशा उन्हें "मेरे नेता" के रूप में संबोधित करती हैं, उनके नेतृत्व की सराहना करती हैं।

कांग्रेस का परिवारिक इतिहास इस तरह के "जोड़े" के साथ काम करने का रहा है। जब प्रियंका 2019 में राजनीति में शामिल हुईं, तो यह पहला अवसर नहीं था, जब नेहरू-गांधी परिवार के दो सदस्य एक साथ उच्च पदों पर थे।

1959 में, इंदिरा गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला। यह पार्टी में कई लोगों के लिए एक आश्चर्य था। जब उनके पिता, जवाहरलाल नेहरू, प्रधानमंत्री थे। नेहरू के आलोचकों ने इसे उनके द्वारा इंदिरा को इस प्रतिष्ठित पद पर पहुंचाने की कोशिश के रूप में देखा। हालांकि, उस समय के कांग्रेसियों के एक बड़े हिस्से का मानना था कि इंदिरा ने इस पद को अपनी योग्यता से पाया था। और उनके पास इसे सही मानने का पर्याप्त कारण भी था।

एआईसीसी अध्यक्ष के रूप में इंदिरा ने केरल संकट को कुशलतापूर्वक संभाला, उन्होंने महाराष्ट्र और गुजरात के निर्माण की सिफारिश भी की थी, ताकि वहां भाषाई तनावों को कम किया जा सके। जब उनका कार्यकाल 1960 में समाप्त हुआ, तो कांग्रेस कार्यकारी समिति ने उन्हें पुनः अध्यक्ष बनने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने यह अनुरोध दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया।

स्वतंत्रता के बाद, भारत की आज़ादी के 79 वर्षों के इतिहास में, गांधी परिवार ने 59 साल तक कांग्रेस का नेतृत्व किया है। कांग्रेस के विभिन्न गुटों के लोग उन्हें पार्टी का नेतृत्व करने के लिए स्वाभाविक रूप से सबसे उपयुक्त मानते हैं और इसके बदले उन्हें चुनावी सफलता और सत्ता की उम्मीद होती है।

जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा, राजीव और सोनिया तक, किसी भी गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने राजनीति से अचानक बाहर जाने का निर्णय नहीं लिया। राहुल, और अब प्रियंका, भी आज वही जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

इसरो ने बनाया नया रिकॉर्ड: सबसे भारी विदेशी उपग्रह लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से इसरो ने बाहुबलि रॉकेट से अमेरिकन कंपनी का सैटलाइट "ब्लू बर्ड" प्रक्षेपित किया

श्रीहरिकोटा, 24 दिसंबर। भारत के बाहुबली के नाम से विख्यात भारी प्रक्षेपण राकेट एलएमवी3 ने बुधवार को अमेरिका स्थित कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के उन्नत संचार उपग्रह ब्लूबर्ड-6 को, प्रक्षेपण के बाद, सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में स्थापित कर भारत की वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षमताओं में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की।

इस प्रक्षेपण ने एक नया रिकॉर्ड बनाया, क्योंकि यह किसी भारतीय रॉकेट द्वारा ले जाया गया अब तक का सबसे वजनी उपग्रह था। इस मिशन का लक्ष्य ब्रॉडबैंड सिग्नल को सीधे अंतरिक्ष से आम स्मार्टफोन तक पहुंचाना है, जिससे विशेष उपकरण की ज़रूरत खत्म हो जाएगी।

लगभग 24 घंटे की सुचारू उल्टी गिनती के बाद, 43.5 मीटर लंबे, और 640 टन के एलएमवी3 रॉकेट ने सुबह लगभग 0855 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (एसडीएससी) श्रीहरिकोटा रेंज के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सफल प्रक्षेपण की सराहना करते हुए इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक "गर्व करने वाली उपलब्धि" बताया।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम।

सफल एलएमवी3 -एम6प्रक्षेपण , जिसने भारतीय धरती से प्रक्षेपित किये गये अब तक के सबसे भारी उपग्रह, अमेरिकी अंतरिक्ष यान, ब्लूबर्ड ब्लाक-2 को उसकी निर्धारित कक्षा में

- **प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में इस उपलब्धि के लिए इसरो की सराहना की तथा इसे गर्व करने वाली उपलब्धि बताया।**

स्थापित किया, यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक गर्व करने वाली उपलब्धि है।"

इसरो के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के सचिव, डॉ. वी. नारायणन ने मिशन कंट्रोल सेंटर से वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि अमेरिकी उपग्रह को सफलतापूर्वक और सटीक रूप से उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। उन्होने कहा "यह एक बड़ी उपलब्धि है। सभी वाहन पैरामीटर सामान्य रूप से काम कर रहे थे।"

इसरो ने बुधवार सुबह एलवीएम3-एम6 रॉकेट से 6,100 किलोग्राम वजनी अमेरिकी सैटलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। भारत से लॉन्च किया गया अब तक का यह सबसे भारी सैटलाइट है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908